RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 सरप्राइज लेकर आई परणीति चोपड़ा...

वर्ष : 26 अंक : 37 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शनिवार, 27 जनवरी, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

कोहरे का कहर : आधा दर्जन वाहन टकराए, एक की मौत, 9 घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा जोन में यमुना एक्सप्रेस-वे पर तड़के कोहरे के कारण दर्दनाक हादसा हो गया। एक्सप्रेस-वे पर आधा दर्जन वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में 9 लोग घायल हो गए जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस तथा राहत एवं बचाव टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को उपचार के लिए करीब के अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला जेवर कोतवाली क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार जेवर कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत यमुना एक्सप्रेस-वे पर कोहरे के कारण बस और कार सहित लगभग आधा दर्जन वाहन आपस में भिड़ गए। पुलिस के अनुसार यमुनाय एक्सप्रेस-वे पर नोएडा से आगारा की ओर जाने वाली लेन पर लगभग 30 किमी के दायरे में बहुत अधिक कोहरा था। दृष्यता बहुत कम थी। शनिवार तड़के एक बस के आगे

चल रहे केंटर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। केंटर के पीछे चल रही बस चालक बस की गति को नियंत्रित नहीं कर सका और केंटर से टकरा गईं। देखते ही देखते बस के पीछे चल रही कारें भी बस एवं एक दूसरे से टकरा गई। हादसे में बस में सवार कमलेश (28) निवासी इटावा की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं हादसे में घायल सभी 9 लोगों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं थी जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से एक्सप्रेसवे के किनारे कराया जिससे यातायात सामान्य हो सका।

मालूम हो कि पिछले 15 दिनों से सर्द हवाओं के साथ कोहरे का कहर वाहन चालकों के लिए मुसीबत का सबब साबित हो रहा है। इसके पहले भी एक्सप्रेस-वे तथा पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर कोहरे के कारण कई वाहन आपस में टकराने के हादसे हो चुके हैं।

यूपी में शीघ्र 100 नए बायोगैस प्लांट स्थापित होंगे : हरदीप पुरी

लखनऊ (चेतना मंच)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने घोषणा की है कि उत्तर प्रदेश में जल्द ही 100 नए बायोगैस प्लांट स्थापित होंगे। उन्होंने कहा है आज जनपद बदायूं में कम्प्रेस्ड बायो गैस के नए प्लांट का उद्घाटन होने जा रहा है और राज्य के 8 अन्य जनपदों में कम्प्रेस्ड बायो गैस के नए संयंत्र का शिलान्यास भी किया जाएगा। अब तक 37 प्लांट की स्थापना के लिए भूमि चयन आदि की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बड़ा सहयोग मिल रहा है।

बदायूं में कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट के लोकार्पण समारोह से पूर्व लखनऊ में पत्रकारों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले सात साल में मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बीमारू स्टेट की श्रेणी से आगे बढ़कर हर सेक्टर में शानदार काम किया है। बदायूं में लोकार्पित होने जा रहे प्लांट की विशेषताओं की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि करीब 135 करोड़ रुपयों के निवेश से 50 एकड़ में विकसित इस प्लांट में हर दिन (शेष पृष्ठ-4 पर)

ट्रक की टक्कर में महिला की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के कलेक्ट्रेट के सामने सड़क पार कर रही एक महिला को ट्रक ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

कस्बा सूरजपुर निवासी राजेश्वरी एक कंपनी में नौकरी करती थी। शुक्रवार की सुबह वह घर से कंपनी जाने के लिए निकली थी। सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट के सामने वह सड़क पार कर रही थी इस दौरान तेज गति में आ रहा ट्रक चालक नियंत्रण खो बैठा और उसने राजेश्वरी को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हुई राजेश्वरी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक फरार हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थाना सूरजपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

इस संबंध में मृतक के बेटे सौरभ ने ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही से वहां चला कर दुर्घटना कर मृत्यु करने का मामला दर्ज कराया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश कर रही है।

अब ऑनलाइन पंजीकरण के बाद ही होंगे बांकेबिहारी के दर्शन

मथुरा (एजेंसी)। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन से श्रद्धालुओं को दर्शन कराने की

व्यवस्था पर चल रही प्रशासनिक तैयारियों के बीच मंदिर के सेवायत भी इसे सही मान रहे हैं। मंदिर के सेवायत गोस्वामियों का मानना है कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन से दर्शन कराने की योजना से मंदिर की व्यवस्था में सुधार हो सकता है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

बोलेरो पिकअप का साइलेंसर चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। वाहन चोर अब वाहनों के अलावा वाहनों के साइलेंसरों की चोरी करने की घटनाओं का अंजाम दे रहे हैं। चोरों ने सेक्टर-63 में एक कंपनी के बाहर खड़ी बोलेरो पिकअप का साइलेंसर चोरी कर लिया।

सेक्टर-135 निवासी रवि कुमार ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसने अपनी बोलोरो पिकअप गाड़ी बीते 18 दिसंबर को सेक्टर 63-ए के बाहर खड़ी की थी। रात्रि के समय अज्ञात चोरों ने उसकी गाड़ी का साइलेंसर चोरी कर लिया।

थाना सेक्टर-63 प्रभारी अवधेश प्रताप ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में लटका मिला महिला का शव

छिजारसी में मृत मिला किरायेदार

नोएडा (चेतना मंच)। बिशनपुर गांव में एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में फंदे पर लटका हुआ मिला। मृतका के परिजनों ने उसके पति पर उत्पीड़ित कर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है।

मूल रूप से मिर्जापुर निवासी बृजेश शर्मा अपनी पत्नी सुधा शर्मा व बेटी के साथ बिशनपुर गांव में किराए पर रह रहा था बृजेश शर्मा एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। आज सुबह 6:00 बजे वह घर से अपनी ड्यूटी के लिए चला गया। कुछ देर बाद पड़ोसियों ने उसे फोन कर सूचना दी कि सुधा शर्मा ने फांसी लगा ली है।

सूचना के आधार पर मौके पर थाना सेक्टर-58 पुलिस भी पहुंच गई। प्रारंभिक पूछताछ में बृजेश शर्मा ने बताया कि सुधा पिछले काफी समय से कहीं बाहर घूमने जाने के लिए कह रही थी। बेटे की तबीयत खराब होने के कारण उसने इंकार कर दिया था। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह का मामला भी प्रकाश में आया है। इस संबंध में मृतका के परिजनों ने बृजेश शर्मा पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतका के परिजन अगर तहरीर देते हैं तो विधिक कार्रवाई की जाएगी।

वहीं थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के छिजारसी गांव में किराए पर रहने वाले एक व्यक्ति का शव कमरे से बरामद हुआ है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

ब्रेजा कार ने युवक को रौंदा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र में स्थित आइटीबीपी कैंप के गेट नंबर 2 के पास तेज गति में आ रही ब्रेजा कर ने बीती रात्रि सड़क किनारे खड़े युवक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हुए युवक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

मूल रूप से ग्राम लखनावली निवासी जितेंद्र पुत्र गंगाराम बीती रात्रि आइटीबीपी गेट नंबर दो के पास अपनी बाइक के साथ खड़ा हुआ था। इस दौरान ब्रेजा कर में तेज गति में आ रहे युवकों ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से जितेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार सवार युवक मौके से फरार हो गए। (शेष पृष्ठ-4 पर)

मुठभेड़ में शातिर बदमाश घायल

औरैया व कानपुर में लूट की वारदात करके नोएडा में छिपा था

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पुलिस द्वारा की जा रही चेकिंग के दौरान पुलिस को चकमा देकर भाग रहे बदमाश को पुलिस ने लंगड़ा करके अस्पताल भेज दिया है। दरअसल, पकड़े गए बदमाश ने पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर गोली चलाई थी। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बदमाश को गोली मारकर घायल कर दिया। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

अदालत के बाहर खड़ी बाइक चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय के बाहर खड़ी बाइक पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। वहीं सेक्टर-58 क्षेत्र से भी चोरों ने एक स्कूटी चोरी कर ली।

ग्राम आजमपुर दनकौर निवासी नीरज ने थाना सूरजपुर पुलिस से की शिकायत में बताया कि वह अपने मुकदमे की तारीख पर सूरजपुर स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय आया था। उसने अपनी बाइक गेट नंबर-2 के पास खड़ी कर दी और तारीख पर कोर्ट में चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस आए तो उसे बाइक गायब मिली। उसने बाइक के काफी तलाश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। बता दें कि जनपद न्यायालय के बाहर से वाहन चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है। आए दिन कर न्यायालय के बाहर खड़े वाहनों पर हाथ साफ कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि जनपद न्यायालय के बाहर व आसपास पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं इसके बावजूद भी चोर बेखौफ होकर वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

वहीं थाना सेक्टर-58 में वैशाली गाजियाबाद निवासी अखिल पुंडीर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसने अपनी स्कूटी सेक्टर-58ए ब्लॉक की फैक्ट्री के बाहर खड़ी की थी। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटा तो उसे स्कूटी गए मिली। स्कूटी में उसका बैग भी रखा हुआ था जिसमें आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस आदि रखे हुए थे। पीड़ित के मुताबिक उसने 6 माह पहले ही स्कूटी खरीदी थी।

दूध के पैसे न देने पर पिता पुत्रों ने पड़ोसी को पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दूध के पैसे न देने पर पिता-पुत्रों ने पड़ोसी के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। पति को बचाने आई पत्नी को भी दबंगों ने जमकर पीटा। पीड़ित ने थाना जारचा में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम ऊंचा हमीरपुर निवासी हरिओम ने पुलिस की शिकायत में बताया कि वह गांव के ही मनोज के यहां से दूध लेता था। बीते 7 जनवरी की शाम को मनोज व उसके बेटे शिवम तथा सुजल उसके घर आए और अपने दूध के पैसे मांगे। उसने दो दिन बाद दूध के पैसे देने को कहा तो तीनों भड़क गए। मनोज व उसके बेटों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। उसने जब इस बात का विरोध किया तो तीनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर शराबा सुनकर उसकी पत्नी बंटी बीच बचाव के लिए आई तो तीनों ने उसके साथ भी मारपीट की। पीड़ित हरिओम के मुताबिक उसके भाई सोनू की पत्नी कंचन मौके पर पहुंची और उसने आरोपी के चंगुल से बचने के लिए आस-पड़ोस के लोगों को मदद के लिए पुकारा। आस-पड़ोस के लोगों को आता देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

पीड़ित के मुताबिक तीनों आरोपी दबंग किस्म के हैं। उनकी दबंगई की वजह से (शेष पृष्ठ-4 पर)

नहीं रहे भवानी शंकर इंटर कॉलेज के संस्थापक प्रधानाचार्य

नोएडा (चेतना मंच)। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान

बनाने वाले मृदुभाषी क्षेत्रवासियों के दिलों में रहने वाले भवानी शंकर इन्टर कालेज के प्रथम संस्थापक प्रधानाचार्य रहे शोभाराम शर्मा का 90वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन पर कॉलेज के सभी छात्रों तथा अध्यापकों के अलावा उनके पूर्व शिष्यों ने दुःख प्रकट किया।

बुलंदशहर में रैली के पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अयोध्या धाम में राम मंदिर निर्माण व रामलला विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए अभिवादन व आभार व्यक्त करते भाजपा नोएडा महानगर के जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता। फोटो : चेतना मंच

सेक्टर-34 के राजाराम जैन पद्मश्री अवार्ड से विभूषित

फेडरेशन ऑफ आरडब्लयूए भी करेगी सम्मानित : धर्मेन्द्र शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 स्थित नीलगिरि-1 के निवासी राजाराम जैन को पद्मश्री अवार्ड से नवाजा गया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने राजाराम जैन को साहित्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए पद्मश्री से विभूषित किया है।

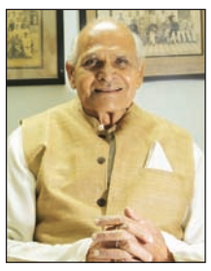

फेडरेशन ऑफ आरडब्लयूए सेक्टर-34 के महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रोफेसर राजाराम जैन एक सुप्रसिद्ध साहित्यकार हैं तथा कई पुस्तकें भी लिख चुके हैं। वे सेक्टर-34 में अपनी बेटी रश्मि जैन के साथ रहते हैं।

श्री शर्मा ने बताया कि सेक्टर-34 की सभी 14 आरडब्ल्यूए द्वारा कार्यक्रम करके राजाराम जैन को इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान के बाद सेक्टर-34 के निवासियों द्वारा आरडब्ल्यूए में खुशी का माहौल है। उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। लोग उनके घर जाकर तथा सोशल मीडिया व फोन करके बधाई दे रहे हैं।

नोएडा पहुंचे अयोध्या राम मंदिर के मुख्य पुजारी, हुआ भव्य स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। 500 वर्षों की अथक तपस्या व परिश्रम का फल 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में कौशल्या आनंद वर्धन, दशरथ नंदन, जानकी वल्लभ, भगवान श्री राम के बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। इस अवसर पर भारत ही नहीं अखिल विश्व में भगवान राम के लिए लोगों ने मिठाइयां बांटी, मंगल गीत गाए, अपने मंदिरों और चौराहों को सजाया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

गठबंधन में टूट

दुमने पहले भी लिखा है कि विपक्ष का गठबंधन टूटने के लिए बनता है। चूंकि विपक्ष की नियति टूटने की है, लिहाजा बार-बार गठबंधन करना पड़ता है। यह नियति हम जनता पार्टी के दौर से देखते आ रहे हैं। इस बार 'इंडिया' का प्रयोग कुछ भिन्न और व्यापक लग रहा था, लेकिन दो अलगाव ऐसे घोषित किए गए हैं कि विपक्षी गठबंधन की संभावनाएं प्रभावहीन लगती हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस और पंजाब में भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से घोषणाएं की हैं कि वे अकेले ही सभी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। अलबत्ता उन्होंने 'इंडिया' का हिस्सा बने रहने की भी घोषणाएं की हैं। अपने प्रभाव क्षेत्रों के बाहर गठबंधन के मायने क्या हैं? यदि ये घोषणाएं 'अंतिम' हैं, तो भाजपा की चुनावी संभावनाएं बढ़ सकती हैं। ममता और भगवंत मान दोनों ही अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री हैं। आश्चर्य यह है कि बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह छुटभैया नेता नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता हैं। वह ममता बनर्जी को 'अवसरवादी नेता' करार देते रहे हैं और बार-बार बयान देते हैं कि ममता कांग्रेस की कृपा और मदद से ही पहली बार सत्ता में आई थीं। कांग्रेस अकेले ही चुनाव लडने में सक्षम है। ममता 'इंडिया' की भीतरी राजनीति से क्षुब्ध थीं। उनके प्रत्येक प्रस्ताव को खारिज किया गया। गठबंधन में वाममोर्चे के नेताओं का प्रभाव ज्यादा है और वे हरेक बैठक को 'तारपीडो' करते रहे हैं। ममता का आरोप है कि राज्य में कांग्रेस की रैलियां की जा रही हैं। उनके खिलाफ ज़हर उगला जा रहा है। राहुल गांधी की 'न्याय यात्रा' की न तो उन्हें जानकारी दी गई और न ही कोई आमंत्रण मिला। बंगाल में 'न्याय यात्रा' और राहुल गांधी के जो पोस्टर लगाए गए थे, ममता की घोषणा के बाद उन्हें फाडना शुरू कर दिया गया। दोनों दलों के बीच ज़हरीला अलगाव इस हद तक पहुंच चुका है। अंतत: ममता ने फैसला किया कि उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस के साथ, कोई गठबंधन नहीं करेगी और सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बयान देकर पार्टी का नरम रुख जताया कि ममता के बिना 'इंडिया' गठबंधन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। बहरहाल तृणमूल कांग्रेस बंगाल की सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत है। 2019 के आम चुनाव में 43 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर उसके 22 सांसद जीते थे, जबकि कांग्रेस के 5.5 फीसदी वोट के साथ मात्र 2 सांसद ही संसद तक पहुंच पाए थे। वाममोर्चे को करीब 7.5 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन सांसद के तौर पर 'शून्य' ही नसीब हुआ। भाजपा को 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे और उसके पहली बार 18 सांसद चुने गए। दरअसल विपक्षी गठबंधन अपने अस्तित्व के करीब 7 माह के दौरान चाय-नाश्ते पर बैठकें तो कर सका, लेकिन सीटों के बंटवारे, सचिवालय, संयोजक, साझा न्यूनतम कार्यक्रम, साझा नारा, ध्वज आदि पर आज तक सहमत नहीं हो सका है। अब तो अलगाव की नौबत भी आ गई है। बंगाल के अलावा, पंजाब की घोषणा भी अलगाववादी है। ऐसी स्थिति में मोदी का मुकाबला कैसे होगा?

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि (रज, तम आदि) गुणों का किया हुआ सन्निपात किसे नहीं हुआ? ऐसा कोई नहीं है जिसे मान और मद ने अछूता छोड़ा हो। यौवन के ज्वर ने किसे आपे से बाहर नहीं किया? ममता ने किस के यश का नाश नहीं किया?॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

मच्छर काहि कलंक न लावा। काहि न सोक समीर डोलावा॥
चिंता साँपिनि को नहिं खाया। को जग जाहि न ब्यापी माया॥
मत्सर (डाह) ने किसको कलंक नहीं लगाया शोक रूपी पवन ने किसे नहीं हिला दिया चिंता रूपी साँपिन ने किसे नहीं खा लिया जगत में ऐसा कौन है, जिसे माया न व्यापी हो॥

कीट मनोरथ दारु सरीरा। जेहि न लाग घुन को अस धीरा॥
सुत बित लोक ईषना तीनी। केहि कै मति इन्ह कृत न मलीनी॥
मनोरथ क्रीड़ा है, शरीर लकड़ी है। ऐसा धैर्यवान कौन है, जिसके शरीर में यह कीड़ा न लगा हो पुत्र की, धन की और लोक प्रतिष्ठा की, इन तीन प्रबल इच्छाओं ने किसकी बुद्धि को मलिन नहीं कर दिया (बिगाड़ नहीं दिया)॥

यह सब माया कर परिवारा। प्रबल अमिति को बरनै पारा॥
सुत बित लोक ईषना तीनी। केहि कै मति इन्ह कृत न मलीनी॥
मनोरथ क्रीड़ा है, शरीर लकड़ी है। ऐसा धैर्यवान कौन है, जिसके शरीर में यह कीड़ा न लगा हो पुत्र की, धन की और लोक प्रतिष्ठा की, इन तीन प्रबल इच्छाओं ने किसकी बुद्धि को मलिन नहीं कर दिया (बिगाड़ नहीं दिया)॥

दो0-ब्यापि रहेउ संसार महुँ माया कटक प्रचंड।
सेनापति कामादि भट दंभ कपट पाषंड॥
माया की प्रचंड सेना संसार भर में छाई हुई है। कामादि (काम, क्रोध और लोभ) उसके सेनापति हैं और दम्भ, कपट और पाखंड योद्धा हैं॥

सो दासी रघुबीर कै समुझें मिथ्या सोपि।
छूट न राम कृपा बिनु नाथ कहउँ पद रोपि॥
वह माया श्री रघुवीर की दासी है। यद्यपि समझ लेने पर वह मिथ्या ही है, किंतु वह श्री रामजी की कृपा के बिना छूटती नहीं। हे नाथ! यह मैं प्रतिज्ञा करके कहता हूँ॥

क्रमश:

गणतंत्र दिवस: हमारा संविधान ही हमें अभिव्यक्ति की आजादी देता है

गणतंत्र दिवस हर वर्ष जनवरी महीने की 26 तारीख को पूरे देश में देश प्रेम की भावना से ओत-प्रोत होकर मनाया जाता है। भारत के लोग हर साल 26 जनवरी का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि 26 जनवरी को ही 1950 में भारतीय संविधान को एक लोकतांत्रिक प्रणाली के साथ भारत देश में लागू किया गया था। कहा जाए तो 26 जनवरी को ही हमारे गणतंत्र का जन्म हुआ। और भारत देश एक गणतांत्रिक देश बना। हमारे देश को आजादी तो 15 अगस्त 1947 को ही मिल गयी थी, लेकिन 26 जनवरी 1950 को भारत एक स्वतंत्र गणराज्य बना और भारत देश में नए संविधान के जरिए कानून का राज स्थापित हुआ। यह दिन उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को भी याद करने का दिन है, जिन्होंने अंग्रेजों से भारत को आजादी दिलाने के लिए वीरतापूर्ण संघर्ष किया। आज के दिन ही भारत ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की स्थापना के लिए उपनिवेशवाद पर विजय प्राप्त की।

गणतंत्र दिवस हमारे संविधान में संस्थापित स्वतंत्रता, समानता, एकता, भाईचारा और सभी भारत के नागरिकों के लिए न्याय के सिद्धांतों को स्मरण और उनको मजबूत करने का एक उचित अवसर है। क्योंकि हमारा संविधान ही हमें अभिव्यक्ति की आजादी देता है। अगर देश के नागरिक संविधान में प्रतिष्ठापित बातों को अनुसरण करेंगे तो इससे देश में अधिक लोकतांत्रिक मूल्यों का उदय होगा। भारत का संविधान सबको समान अधिकार देता है, भारतीय संविधान किसी से भी जाति, धर्म, ऊंच-नीच और अमीरी-गरीबी के आधार पर कभी भी भेदभाव नहीं करता है।

आज बेशक भारत विश्व की उभरती हुई शक्ति है। लेकिन आज भी देश काफी पिछड़ा हुआ है। देश में आज भी कन्या जन्म को दुर्भाग्य माना जाता है, और आज भी भारत के रूढ़िवादी समाज में हजारों कन्याओं की भ्रूण में हत्या की जाती है। सड़कों पर महिलाओं पर अत्याचार होते हैं। सरेआम महिलाओं से छेड़छाड़ और बलात्कार के किस्से भारत देश में आम बात हैं। कई युवा (जिनमें भारी तादात में लड़कियां भी शामिल हैं) एक तरफ जहां हमारे देश का नाम ऊंचा कर रहे हैं। वहीं कई ऐसे युवा भी हैं जो देश को शर्मसार कर रहे हैं। दिनदहाड़े युवतियों का अपहरण, छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न कर देश का सिर नीचा कर रहे हैं। हमें पैदा होते ही महिलाओं का सम्मान करना सिखाया जाता है पर आज भी विकृत मानसिकता के कई युवा घर से बाहर निकलते ही महिलाओं की इज्जत को तार-तार करने से नहीं चूकते। इस सबके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार शिक्षा का अभाव है। शिक्षा का अधिकार हमें भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों के रूप में अनुच्छेद 29-30 के अन्तर्गत दिया गया है। लेकिन आज भी देश के कई हिस्सों में में नारी शिक्षा को सही नहीं माना जाता है। नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के साथ भारतीय समाज को भी आगे आना होगा। तभी देश में अशिक्षा जैसे अँधेरे में शिक्षा रुपी दीपक को जलाकर उजाला किया जा सकता है।

देश में आज अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर देश विरोधी ताकतें बढ़ रही हैं, यही देश विरोधी ताकतें संविधान की गलत तरीके से व्याख्या करती हैं। यही देश विरोधी ताकतें देश में

गणतंत्र दिवस हमारे संविधान में संस्थापित स्वतंत्रता, समानता, एकता, भाईचारा और सभी भारत के नागरिकों के लिए न्याय के सिद्धांतों को स्मरण और उनको मजबूत करने का एक उचित अवसर है। क्योंकि हमारा संविधान ही हमें अभिव्यक्ति की आजादी देता है।

अराजकता फैलाने में अहम् भूमिका निभाती है। आज देश में देश विरोधी ताकतें संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों का गलत तरीके से उपयोग कर रही हैं। अभिव्यक्ति की आजादी का दुरूपयोग करना भारतीय संविधान का अपमान है। देश में आज कुछ ताकतें तुष्टिकरण का काम कर रही हैं और देश को धर्म के आधार पर बांटने का प्रयास कर रही हैं। देश में आज इन्ही देश विरोधी ताकतों की शह पर कोई पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाता है तो कोई भारत मुर्दाबाद के नारे लगाता है और कुछ राजनैतिक दल ऐसे लोगों की तरफदारी करके उनका साथ देकर उनको संरक्षण देते हैं। ऐसे देश विरोधी लोग इन्हीं राजनैतिक दलों कि शह पर देश का माहौल खराब करने की कोशिशें करते हैं।

भारत देश बेशक एक स्वतंत्र गणराज्य सालों पहले बन गया हो। लेकिन इतने सालों बाद आज भी देश में धर्म, जाति और अमीरी गरीबी के आधार पर भेदभाव आम बात है। लोग आज भी जाति के आधार पर ऊंच-नीच की भावना रखते हैं। आज भी लोगों में सामंतवादी विचारधारा घर करी हुयी है और कुछ अमीर लोग आज भी समझते हैं कि अच्छे कपडे पहनना, अच्छे घर में रहना, अच्छी शिक्षा प्राप्त करना और आर्थिक विकास पर सिर्फ उनका ही जन्मसिद्ध अधिकार है। इसके लिए जरूरी है कि देश में संविधान द्वारा प्रदत्त शिक्षा के अधिकार के जरिए लोगों में जागरूकता लायी जाये। जिससे कि देश में धर्म, जाति, अमीरी-गरीबी और लिंग के आधार पर भेदभाव न हो सके।

भारत में संविधान लागू हुए बेशक 74 साल के करीब होने आये, लेकिन अब भी भारत देश में बाल अधिकारों का हनन हो रहा है। छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाने की उम्र में काम करते दिख जाते हैं। आज बाल मजदूरी समाज पर कलंक है। इसके खात्मे के लिए सरकारों और समाज को मिलकर काम करना होगा। साथ ही साथ बाल मजदूरी पर पूर्णतया रोक लगनी चाहिए। बच्चों के उत्थान और उनके अधिकारों के लिए अनेक योजनाओं का प्रारंभ किया जाना चाहिए। जिससे बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव दिखे। और शिक्षा का अधिकार भी सभी बच्चों के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए। गरीबी दूर करने वाले सभी व्यावहारिक उपाय उपयोग में लाए जाने चाहिए। बालश्रम की समस्या का समाधान तभी होगा जब हर बच्चे के पास उसका अधिकार पहुंच जाएगा। इसके लिए जो बच्चे अपने अधिकारों से वंचित हैं, उनके अधिकार उनको दिलाने के लिये समाज और देश को सामूहिक प्रयास करने होंगे। आज देष के प्रत्येक नागरिक को बाल मजदूरी का उन्मूलन करने की जरूरत है। और देश के किसी भी हिस्से में कोई भी बच्चा बाल श्रमिक दिखे, तो देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह बाल मजदूरी का विरोध करे। और इस दिशा में उचित कार्यवाही करें साथ ही साथ उनके अधिकार दिलाने के प्रयास करें।

भारत देश में कानून बनाने का अधिकार केवल भारतीय लोकतंत्र के मंदिर भारतीय संसद को दिया गया है। जब भी भारत में कोई नया कानून बनता है तो वो संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) से पास होकर राष्ट्रपति के पास जाता है। जब राष्ट्रपति उस कानून पर बिना आपत्ति किये हुए हस्ताक्षर करता है तो वो देश का कानून बन जाता है। लेकिन आज देश के लिए कानून बनाने वाली भारतीय लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था भारतीय संसद की हालत दयनीय है। जो लोग संसद के दोनों सदनों में प्रतिनिधि बनकर जाते हैं, वो लोग ही आज संसद को बंधक बनाये हुए हैं। जब भी संसद सत्र चालू होता है तो संसद सदस्यों द्वारा चर्चा करने की बजाय हंगामा किया जाता है। और देश की जनता के पैसों पर हर तरह की सुविधा पाने वाले संसद सदस्य देश के भले के लिए काम करने की जगह संसद को कुश्ती का मैदान बना देते हैं। जिसमें पहलवानी के दांव पेचों की जगह आरोप प्रत्यारोप और अभद्र भाषा के दांव पेंच खेले जाते हैं। जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। आज जरुरत है कि देश के लिए कानून बनाने वाले संसद सदस्यों के लिए एक कठोर कानून बनना चाहिए। जिसमे कड़े प्रावधान होने चाहिए। जिससे कि संसद सदस्य संसद में हंगामा खड़ा करने की जगह देश की भलाई के लिए अपना योगदान दें।

भारत देश में कानून का राज स्थापित हुये बेशक कई दशक हो गए हों लेकिन आज भी देश के बहुत लोग अपने आप को कानून से बढ़कर समझते हैं। और तमाम तरह के अपराध करते हैं। आज जरूरत है भारत के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त कानूनों का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए। और उनका पालन करने के लिए जागरूक करना चाहिए, जिससे की समाज और देश में फैले अपराधों पर रोक लग सके। इसके साथ-साथ भारतीय संविधान द्वारा भारतीय नागरिकों को दिए गए मौलिक अधिकारों को जन-जन तक सरकार को पहुँचाना चाहिए। इन मौलिक अधिकारों को देश के आखिरी आदमी तक पहुँचाने के लिए सरकार के साथ-साथ भारतीय समाज की भी अहम भूमिका होनी चाहिए। तभी भारत देश रूढ़िवादी सोच से मुक्ति पा सकता है।

गणतंत्र दिवस प्रसन्नता का दिवस है इस दिन सभी भारतीय नागरिकों को मिलकर अपने लोकतंत्र की उपलब्धियों का उत्सव मनाना चाहिए और एक शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण में स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए। क्योंकि भारत देश सदियों से अपने त्याग, बलिदान, भक्ति, शिष्टता, शालीनता, उदारता, ईमानदारी, और श्रमशीलता के लिए जाना जाता है। तभी सारी दुनिया ये जानती और मानती है कि भारत भूमि जैसी और कोई भूमि नहीं, आज भारत एक विविध, बहुभाषी, और बहु-जातीय समाज है। जिसका विश्व में एक अहम स्थान है। आज का दिन अपने वीर जवानों को भी नमन करने का दिन है जो कि हर तरह के हालातों में सीमा पर रहकर सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित महसूस कराते हैं। साथ-साथ उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करने का भी दिन हैं, जिन्होंने हमारे देश को आजाद कराने में अहम भूमिका निभाई। आज 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान और गणतंत्र के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहरानी चाहिए और देश के समक्ष आने वाली चुनौतियों का मिलकर सामूहिक रूप से सामना करने का प्रण लेना चाहिए। साथ-साथ देश में शिक्षा, समानता, सदभाव, पारदर्शिता को बढ़ावा देने का संकल्प लेना चाहिए। जिससे कि देश प्रगति के पथ पर और तेजी से आगे बढ़ सके।

- ब्रह्मानंद राजपूत

सम्मानित होने के लिए... (व्यंग्य)

बीते साल अगर मोटा तो क्या छोटा सम्मान भी न मिले तो दिमाग नए साल में भी सोचता रहता है। कहीं न कहीं संकल्प ले बैठता है कि इस बरस कुछ करना ही होगा। यहां हर किसी को हर कोई सम्मानित कर रहा है। सम्मान उत्सव चल रहे हैं और तो और बढ़ती ठंड में भी रविवार की छुट्टी के दिन, दिन में ग्यारह बजे सम्मान समारोह के बहाने कवि गोष्ठी भी रखी जा रही है। उल्लेखनीय है इस बहाने ज़्यादा लोग आ जाते हैं। पत्नी की आंखों में आशा की किरणें, दिसंबर से जनवरी में प्रवेश कर गई हैं। छत पर धूप में बैठकर आसमान से पूछती रहती है कि इनको सम्मान कब मिलेगा और उन्हें कुछ सामान।

बेचारा दिमाग जब दबाव में आ जाता है तो प्रेरणा मिलती है कि कुछ संस्थाओं में ही आवेदन कर दिया जाए। कहीं न कहीं से तो बुलावा आ ही जाएगा। इस दौरान हम कुछ दिन के लिए शहर से बाहर गए तो अपने शहर में सम्मान समारोह आयोजित होने की खबर पढने को मिली। शहर से कई सौ किलोमीटर दूर बसे आधा दर्जन परिचितों को हमारे शहर की संस्था ने सम्मानित कर डाला था। हमने अपनी अनुपस्थिति में हुए सम्मान समारोह पर ध्यान न देते हुए यह निर्णय लिया कि सम्मान के लिए सबसे पहले सरकार के यहां कोशिश करेंगे। सरकार कैसी भी हो, कैसे भी काम करे, उसका एक रूतबा होता है, इज्ज़त होती है। सरकार हर लल्लू पंजू को सम्मान या सामान नहीं देती।

हमें लगा जब हम सम्बंधित अधिकारी से मिलेंगे तो वह कहेंगे, सरकार की तारीफ़ करना सीखिए। नए अधिकारी आपके शहर में पोस्टिंग पर आएं उन्हें बुके देकर स्वागत कीजिए। सभी किस्म के मीडिया पर कवरेज दिलाइए।

हमारा दिमाग कहने लगा कि सरकारी काम करने की तनख्वाह मिलती है। कई अधिकारियों को मोटी तनख्वाह के साथ एनपीए भी देकर एक तरह से सम्मानित ही किया जाता है। बहुत से कर्मचारियों को बढ़िया वेतन के साथ काफी छुट्टियां भी सामान की तरह दी जाती हैं। जुगाड़ से मनचाही पोस्टिंग भी मिलती है। चुने हुए नेता चाहे जैसे भी हों उन्हें सम्मानित करते रहते हैं। मान लो अधिकारी ने पूछ लिया कि आपकी उपलब्धियां क्या हैं तो हमें अपनी कार्यशैली के गुण बताते हुए कहना होगा कि समाज की विसंगतियां बताते हुए सच लिखते हैं। वे हमें आगे बोलने नहीं देंगे, कहेंगे, सच को हम कैसे सम्मानित कर सकते हैं।

हम कहेंगे पर्यावरण की रक्षा करते हुए दूसरों को भी प्रेरित करते हैं तो वे जवाब देंगे कि सम्मानित होने के लिए यह कोई बड़ी बात नहीं है। यह तो सभी का कर्तव्य है। आप तो दूसरों की गलतियां निकाल रहे हो। सरकार की प्रशंसा करो। लाल को लाल न कहो। जो हम कहें उसकी तारीफ़ करते रहो तो भविष्य में कभी न कभी आपके बारे भी सोचा जा सकता है। फ़िलहाल पुराने आवेदनों की लाइन लगी है। आप चाहे तो किसी निजी संस्था में कोशिश कर सकते हो। उनके सुझाव से हमें यह भी समझ में आया कि निजीकरण क्यूं ज़रूरी है। रास्ता सामने था, चलना तो हमें ही था।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

माघ कृष्ण- द्वितीया (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आपका समय ठीक नहीं चल रहा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू तू मैं मैं से बचें। मानसिक अवसाद की स्थिति दिख रही है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड, छ, के, हो, हा)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। सीने में विकार संभव है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य में सावधानी बरतें। प्रेम संतान की स्थिति भी मध्यम है। व्यापार बहुत अच्छा नहीं रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। धन हानि के भी संकेत है। स्वास्थ्य नरम गरम, प्रेम संतान ठीक-ठाक, व्यापार भी सही चलेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
ऊर्जा का स्तर घटता बढ़ता रहेगा। बेचैनी, घबराहट बनी रहेगी। प्रेम संतान ठीक रहेगा। व्यापार भी सही चलता रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
अनाब शनाब खर्चे मन को परेशान करेंगे। अज्ञात भय सताएगा। नेत्र पीड़ा, सर दर्द भी संभव है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आय में उतार चढ़ाव बना रहेगा। मानसिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रहेगी। बच्चों को लेकर के मन परेशान रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
व्यापारिक उतार चढ़ाव बना रहेगा। पिता के स्वास्थ्य को लेकर मन परेशान रहेगा। पैतृक संपत्ति की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मकर राशि की स्थिति ठीक-ठाक कही जाएगी लेकिन मान सम्मान पर कोई ठेस न पहुंचने पाए इस बात का ध्यान रखें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य की स्थिति माध्यम रहेगी। चोर चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। थोड़ा बचकर पार करें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
जीवनसाथी के साथ कठुता बढ़ेगी। प्रेमी प्रेमिका में भी कठुता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा, प्रेम संतान मध्यम रहेगा।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित द श्रीराम यूनिर्वसल स्कूल में गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व डीजीपी ओपीएस मलिक, विद्यालय के वाइस चेयरमैन योगेन्द्र सिंह, डायरेक्टर जेपी सिंह, प्रधानाचार्य श्रीमती ज्योति राणा, चेयरमैन बिजेन्द्र सिंह तथा श्रीमती ज्योति राय उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस के मौके पर भाजपा के महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर भाजपा के महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, उमेश पहलवान, कोषाध्यक्ष विनोद शर्मा समेत भाजपा के कई नेता उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में गणतंत्र दिवस समारोह पर एसीईओ मेघा रूपम ने प्राधिकरण के अधिकारियों व कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता व सम्प्रभुता बनाये रखने की शपथ दिलाई।

सेक्टर-19 आरडब्ल्यूए द्वारा कम्युनिटी सेंटर में गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सेक्टरवासी मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन (इंडिया) ने निकाली तिरंगा यात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-51 स्थित होशियारपुर मैन मार्केट में भारतीय किसान यूनियन (इंडिया) के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कर तिरंगा यात्रा निकाली और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी।

भारतीय किसान यूनियन इंडिया के प्रदेश संगठन मंत्री मनीष शर्मा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि गणतंत्र दिवस भारत का एक राष्ट्रीय पर्व है जो प्रति वर्ष 26 जनवरी को मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 में भारत का 75 वां गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर भाकियू इंडिया के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ-साथ व्यापारी गण उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा स्थित गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह पर हुई प्रतियोगिता में विजयी छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

गणतंत्र दिवस पर शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर में शुक्रवार (26 जनवरी) को जयहिन्द का नारा जोर-शोर से गूंजा। गणतंत्र दिवस के मौके पर एक खास कार्यक्रम में ऐसा लगा कि मानो पूरा नोएडा शहर ही देश भक्ति के रंग में डूब गया हो। नोएडा शहर के सेक्टर-29 में स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित इस कार्यक्रम में नोएडा में रह रहे बड़े-बड़े सैन्य अफ्सर एकत्र हुए। नोएडा शहर में स्थित शहीद स्मारक तीनों भारतीय सेनाओं का त्रि-सेवा स्मारक है।

सब जानते हैं कि शुक्रवार को भारत ने अपना 75वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया है। ऐसे में नोएडा शहर भी कहां पीछे रहने वाला था। नोएडा के सेक्टर-29 में स्थित शहीद स्मारक पर गणतंत्र दिवस का विशेष आयोजन किया गया। इस मौके पर नोएडा शहर के सेक्टर-21, 25, 28, 29 तथा नोएडा के सेक्टर-37 में रहने वाले भारतीय सेना के तीनों अंगों के सेवानिवृत्त सैन्य अफ्सर एकत्र हुए। जब नोएडा के शहीद स्मारक पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तो जय हिन्द का गगनभेदी नारा गूंज उठा। ऐसा लगा कि मानो पूरा शहर ही देश भक्ति के भाव में डूब गया हो।

शहीद स्मारक संगठन के मीडिया प्रभारी कमांडर नरेन्द्र महाजन ने बताया कि गणतंत्र दिवस के मौके पर नोएडा के सेक्टर-29 में धूमधाम से आयोजन किया गया।

उन्होंने बताया कि नोएडा शहर में हुए इस अनोखे कार्यक्रम की शुरूआत लेफ्टिनेंट जनरल जीएल बख्शी (सेवानिवृत्त) ने समाधि स्थल पर पहली पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद विजय गुप्ता, किरण शर्मा, कर्नल छिब्बर, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शर्मा (सेवानिवृत्त), लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिंह, सुरिंदर वर्मा, मेजर जनरल डीके सेन, कर्नल शशि वैद, ओपी मेहता, आईपी सिंह, जेपी सिंह, वेनीश राय, महेंद्र कुमार, रवि, सुभाष शर्मा, कमांडर नरिंदर महाजन (सभी सेवानिवृत्त), श्रीमती अनीता तथा नोएडा शहर के अनेक नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

इस मौके पर खूबसूरत स्मारक की देखभाल करने वाले कर्मचारियों को मिठाइयाँ वितरित की गईं।

भाजयुमो ने निकाली बाइक रैली

नोएडा (चेतना मंच)। गणतंत्र दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर भारतीय जनता युवा मोर्चा नोएडा महानगर ने भाजयुमो जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव के नेतृत्व में बाइक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया।

बाइक तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा एवं भाजयुमो पश्चिम क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखविंदर सोम, भाजयुमो प्रदेश मंत्री अंजली चौहान उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री उमेश त्यागी जी भारतीय जनता युवा मोर्चा नोएडा महानगर प्रभारी एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष मनीष शर्मा युवा मोर्चा जिला महामंत्री अनुज प्रधान जिला उपाध्यक्ष तिरंगा बाइक यात्रा संयोजक विपुल शर्मा नवीन मिश्रा नरेंद्र जोगी रितेश वर्मा सत्यम सिंह अर्पित मिश्रा संजय चौधरी रविन्द्र नागर कौशल यादव साधना शर्मा संदीप अवाना अमित पांडे, दीपक सिंह, मोनू जोगी कपिल धारीवाल उत्कर्ष मिश्रा ,ललित शर्मा, सुमित शर्मा, रवि वाल्मीकि,ओमवीर अवाना लेखराज बेनीवाल, शुभम सिसोदिया हर्ष शर्मा प्रिंस पंडित अन्नू प्रधान आकाश उपाध्याय, शिवम शर्मा इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने किया ध्वजारोहण

नोएडा (चेतना मंच)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा इलाबांस स्थित एनडी पब्लिक स्कूल में नोएडा महानगर उपाध्यक्ष हरेन्द्र शर्मा द्वारा 75वें गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मोके पर ध्वजारोहण किया गया।

महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ओर इस अवसर पर उन्होंने ध्वजारोहण किया और कांग्रेसजनो ने देश के अमर शहीदों को याद किया।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर,उपाध्यक्ष हरेन्द्र शर्मा, पीसीसी सदस्य रिज़वान चौधरी,महानगर महासचिव रूबी चौहान, महासचिव जितेन्द्र चौधरी, सचिव शाहिद सिद्दीक़ी, सन्नी तंवर,सचिन तंवर,किशोर बंसल, अंकुर चौधरी, साधना, प्रतिभा, हुमायूँ बेग, चितवन शर्मा, हुकम सिंह, अब्दुल समद आजाद, वीरेश गहलोत, शमशुद्दीन सिद्दिकी, इंतेखाब जैदी एड., मो0यूसुफ अंसारी,बलराम सिंह, वसीम अहमद, मिथलेश वर्मा, सुशीला देवी, हीरा देवी, सरोज देवी, रमेश चंद वर्मा आदि कांग्रेस जन मौजूद रहे।

यूपी दिवस का हुआ रंगारंग समापन

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व

उत्तर प्रदेश की समृद्ध, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से आम जनमानस को अवगत कराने के उद्देश्य से जनपद में 24 से 26 जनवरी 2024 तक नोएडा के शिल्प हाट में जिला प्रशासन एवं प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हो रहे तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश दिवस का आज डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतीकरण के साथ विधिवत् रूप से समापन किया गया, जिसमें विशेष अतिथि के रूप में एमिनेंट राइटर और एजुकेशनलिस्ट डॉक्टर अंकिता राज उपस्थित रही।

उत्तर प्रदेश दिवस आयोजन के तीसरे दिन समापन से पूर्व जनपद के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने नोएडा शिल्प हाट में पहुंचकर आयोजित हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया एवं विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं, अन्य जनपदों के उत्पादों को लेकर लगाए गए स्टॉलों का बहुत ही गहनता के साथ अवलोकन किया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह, जिला मनोरंजन कर अधिकारी जेपी चंद, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह, जिला सांख्यिकी अधिकारी शिवराज सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय गोयल, उप निदेशक कृषि राजीव कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी विपिन अग्रवाल, जिला उप क्रीड़ा अधिकारी अनीता नागर, प्रभारी बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर यशपाल, जिला दिव्यांगजन अधिकारी आशीष कुमार सिंह, प्रशासन, प्राधिकरण, पुलिस विभाग के संबंधित अधिकारीगण एवं जन सामान्य के द्वारा बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया गया।

डायमंड पब्लिक स्कूल में मनाया गणतंत्र दिवस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित डायमंड पब्लिक स्कूल में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्कूली छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ भाजपा नेता नरेन्द्र डाढा ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनको अच्छे संस्कारों व शिक्षा के रास्ते पर आगे बढ़ाने की जरूरत है। बेहतर शिक्षा ही देश को एक अच्छा भविष्य दे सकती है। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य हीरालाल, बृजेन्द्र भाटी, रिषी, हरेन्द्र, राजू, हेमसिंह नागर सहित स्कूल के छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

'विद्या के भरोसे' ट्रस्ट ने बुजुर्गों को किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर 'विद्या के भरोसे' ट्रस्ट द्वारा भूतपूर्व सैनिकों तथा बुजुर्गों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर 12 नोएडा स्थित ट्रस्ट के कार्यालय में सुप्रीम कोर्ट के एडिशनल एडवोकेट जर्नल उत्तराखंड और राजनीतिक विशेषज्ञ संजीव उनियाल और वरिष्ठ समाजसेवक डीपी गोयल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक भूतपूर्व सैनिक के.के. सुंदरियाल, संतोष खंडूरी, दौलत बिष्ट के साथ उपस्थित सभी सैनिकों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई।

इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष हरीश जुगरान द्वारा संक्षिप्त उद्बोधन में बताया गया कि यह ट्रस्ट मुख्य रूप से शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में कार्य कर रहा है। ट्रस्ट द्वारा पिछले आठ वर्षों से गणतंत्र दिवस को भूतपूर्व सैनिकों और बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है।

अपने संबोधन के दौरान मुख्य अतिथि संजीव उनियाल द्वारा सैनिकों के प्रति अगाध प्रेम एवम सम्मान प्रकट किया गया।

वरिष्ठ समाजसेवी डीपी गोयल ने कहा कि विद्या दान से बढ़कर कोई दान नहीं है और विद्या धन से बढ़कर कोई धन नही, तथा इस उत्कृष्ट कार्य के लिए ट्रस्ट को साधुवाद एवं धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में छोटे बच्चों द्वारा भी बहुत ही मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई और समाज में उत्कृष्ट कार्यों के भागीदारों को प्रशस्ति पत्र मैडल दिए गए, जिसे उपस्थित भारी जन समूह द्वारा प्रोत्साहित किया गया। सम्मान समारोह के उपरांत जनसमूह द्वारा भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

दो दिवसीय ज्ञान कथा यज्ञ का हुआ आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। श्री हनुमान मंदिर सेक्टर 11 द्वारा आयोजित सरस्वती शिशु मंदिर सेक्टर 12 में सुंदरकांड का दो दिवसीय ज्ञान कथा यज्ञ का आयोजन किया गया। प्रभु चरित्र के सरस गायक कृष्ण पंत 'अकिंचन' द्वारा सुंदरकांड के कुछ प्रमुख सूत्रों पर चर्चा की जा रही है जिसका श्रवण करने के लिए सैकड़ो लोग आते हैं।

बताते चलें की इस दो दिवसीय ज्ञान कथा का शुभारंभ 26 जनवरी को हुआ था, जिसका समापन आज होगा। समापन के अवसर पर मां अन्नपूर्णा भंडारा प्रसाद की व्यवस्था भी रहेगी।

ब्रम्हचारी कुटी में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में गणतंत्र दिवस के अवसर पर महंत ओम भारती महाराज के सानिध्य में वरिष्ठ सपा नेता राघवेंद्र दुबे ने झंडारोहण किया। झंडारोहण के बाद सभी ने राष्ट्र गान गया गया। इस दौरान सभी ने भारत माता की जय, वंदे मातरम, वीर शहीद अमर रहें के नारे लगाए। जिससे वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। महंत ओम भारती ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सपा नेता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों को कृतज्ञ राष्ट्र का भावपूर्ण नमन। अमर शहीदों के बलिदान के कारण ही हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई । हम सभी देशवासी उनके सदैव ऋणी रहेंगे। दो सौ वर्ष की गुलामी के बाद हमें ब्रिटिश शासन से मुक्ति मिली लेकिन इसके लिए हजारों माँ भारती के सपूतों को ने अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। एकता के बल पर हमें आजादी मिली इसलिए एकता बहुत जरूरी है। समाज को बाटने वाले लोगों से सावधान रहना होगा।

इस अवसर पर विकास भारती, आचार्य सुमित तिवारी, अखिल पांडेय, सुशील पाल, रवि राघव, विष्णु शर्मा, बीडी गुप्ता, शिववृत तिवारी, पप्पू सिंह, देवमणि शुक्ला, प्रमोद दीक्षित, पंडित मनोहर शास्त्री , अशोक कुमार सहित छोटे बच्चे भी मौजूद रहे।

भाजपा विधायक और युवक में नोकझोंक, नेताजी ने दिखाया एमएलए होने का रौब

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जनपद में भाजपा के एक विधायक और एक युवक के बीच तीखी नोंकझोंक हो गई। इस बीच भाजपा

विधायक ने एमएलए होने का रौब दिखाया और कहा कि, 'तुम विधायक की पावर को नहीं जानते हो।' भाजपा विधायक और युवक के बीच तीखी नोकझोंक और विधायक द्वारा युवक को धमकी दिए जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि भाजपा विधायक किस तरह से जनता से भिड़ रहे हैं।

आपको बता दें कि फिरोजाबाद के थाना नारखी क्षेत्र के गांव नगला डूमर में भाजपा की संकल्प यात्रा निकाली जा रही थी। इस संकल्प यात्रा में भाजपा के टूंडला विधानसभा सीट से विधायक प्रेमपाल धनगर भी पहुंचे थे। इसी बीच एक युवक ने विधायक जी तरफ इशारा करते हुए कहा कि चुनाव के बाद आज आए हैं विधायक जी। इस पर विधायक प्रेमपाल धनगर भ?क गए और युवक से तमीज से बात करने की बात कही। जिस पर युवक ने कहा कि वह सही तो कह रहा है, इसमें उसने कौन सी बदतमीजी कर दी है। युवक द्वारा इतना बोलते ही विधायक प्रेमपाल धनगर बिफर गए और कहा कि, 'तुम विधायक की ताकत को नहीं पहचानते हो।'

इस दौरान किसा ने इसका वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो वायरल हो रहा है। इस वीडियो के बारे में भारतीय जनता पार्टी के टूंडला विधायक प्रेमपाल धनगर ने बताया कि कुछ लोग कार्यक्रम को लेकर सुबह से ही विरोध करने में लगे हुए थे। यहां तक की टेंट भी नहीं लगने दे रहे थे। जब मुझे यह बात पता लगी, तो मैं पैदल चलकर आया और युवकों को समझने का प्रयास किया। मैंने उनसे यहां तक कहा कि यदि उन्हें कोई शिकायत है, तो बैठकर बात करते हैं, लेकिन मैं किसी से भी कोई अभद्रता की बात नहीं की है।

सरकार के नेतृत्व में शीर्ष पर पहुंची देश की आर्थिक व्यवस्था : अवस्थी

प्रयागराज (चेतना मंच)। फूलपुर इफको के प्रबंध निदेशक डॉक्टर उदय शंकर अवस्थी ने कहा कि आज का दिन बहुत ही पवित्र दिन है, क्योंकि आज के दिन ही हमारे संविधान की स्थापना और गणतंत्रीय प्रजातांत्रिक व्यवस्था लागू हुई। डॉ अवस्थी यह बात इफको फूलपुर इकाई में झंडारोहण के समय कही, उन्होंने कहा कि गणतंत्र व्यवस्था अन्य देशों में भी है, किंतु जो प्रजातांत्रिक व्यवस्था हमारे भारत वर्ष में है, वह कहीं और नहीं है। डॉ अवस्थी ने कहा कि देश की आर्थिक व्यवस्था वर्तमान सरकार के नेतृत्व में काफी आगे पहुंच गई है।

इफको की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे सभी यूनिट सभी सहयोगियों के साथ अच्छा कार्य कर रही हैं, इससे आज पूरी दुनिया में सहकारिता के क्षेत्र में हम नंबर वन है। भारत सरकार ने सहकारिता मंत्रालय बनाया है, इससे कोऑपरेटिव सेक्टर को काफी बढ़ावा मिल रहा है। ग्लोबल वार्मिंग पूरी दुनिया में बढ़ रही है इसका कारण भारत सहित पूरी दुनिया में केमिकल का प्रयोग अंधा धुंध हो रहा है। ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है, धरती गर्म हो रही है, यह एक मुख्य कारण है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में हमारी संस्था ने पहले कार्य किया और नैनो यूरिया का आविष्कार कर पूरे विश्व को अचंभित किया, अब अन्य देश भी इसे अपना रहे हैं डॉ अवस्थी ने कहा कि हम इससे एक कदम आगे बढ़कर नैनो प्लस का आविष्कार करने जा रहे हैं, इससे किसानों को तो फायदा होगा ही साथ ही पूरे देश में केमिकल का दुष्प्रभाव कम होगा। उन्होंने कहा कि हम कृषि आधारित समिति हैं हमारे पास इस वक्त 36000 सहकारी संस्थाएं हैं और करोड़ों किसान परिवार हम से किसी ने किसी रूप में जुड़े हुये है। महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। डॉ अवस्थी ने कहा कि कोई भी कार्य जन सहयोग से ही होता है और इसी अवधारणा के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह राम की धरती है हमारे राम पुन: अपने घर आए इससे अपार खुशी की लहर पूरे देश में है।

इसके पूर्व डॉ अवस्थी प्लांट के सभी विभागों का निरीक्षण किया और कुछ आवश्यक निर्देश दिए फूलपुर इफको के अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान उनकी पत्नी श्रीमती रेखा अवस्थी जी भी उनके साथ रही, और कई कार्यक्रमों में भाग ली साथ ही एक शॉपिंग कंपलेक्स का उद्घाटन भी किया।

पृष्ठ एक के शेष....

नोएडा पहुंचे अयोध्या राम मंदिर...

प्राण प्रतिष्ठा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी के कर कमल से हुई। नोएडा के लिए बड़े गौरव की बात है कि जनपद के एक छोटे से गांव लुक्सर में पैदा हुए एक सामान्य से बालक ने वेदों में इतनी पारंगता प्राप्त कर ली है कि उन्होंने रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पूजा करने वाले मुख्य पुजारियों में अपना स्थान बनाया। इससे पूर्व भी जब अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी के द्वारा मंदिर हेतु शिलान्यास का कार्यक्रम रखा गया था, उस समय पर भी आचार्य चंद्रभानु शर्मा ने मुख्य पुजारी की भूमिका निभाई थी।

आचार्य चंद्रभान गौतमबुद्धनगर जिले के लुक्सर गांव में बहुत ही साधरण परिवार में पैदा हुए। प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय स्तर पर ही छठवीं क्लास तक गांव में पढ़ाई की। उनके बाद कामकोटी विद्यालय वसंत कुंज में आगे की पढ़ाई और वेद अध्ययन शुरू किया। परम पूज्य, परम आचार्य, बैकुंठ लोकवासी आचार्य महादेव के सानिध्य में वेद का अध्ययन किया। उसके बाद पूरे भारत के अनेकों वेद विद्यालयों में अध्ययन अध्यापन का कार्य किया।

आचार्य चंद्रभानु शर्मा सेक्टर-45 स्थित सदरपुर में पहुंचे तो उनका बहुत ही गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के उमानंदन कौशिक ने बताया कि आचार्य चंद्रभानु बहुत ही विलक्षण प्रतिभा के धनी हैं। वेद इनको कंठस्थ है।

संदिग्ध परिस्थितियों में....

मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है।

मूल रूप से समस्तीपुर बिहार निवासी रघुवर सिंह छिजारसी कॉलोनी में किराए पर रह रहा था। मृतक कमरे से बाहर नहीं निकला तो पड़ोसियों ने उसके कमरे में जाकर देखा। कमरे के भीतर रघुवर शर्मा मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

थाना सेक्टर-63 प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक शराब पीने का आदी था। मकान मालिक ने बताया कि वह पिछले कई दिनों से लगातार शराब पी रहा था। इस कारण उसने मकान खाली करने के लिए भी कह दिया था।

मुठभेड़ में शातिर ....

आपको बता दें कि नोएडा की थाना फेस 2 पुलिस द्वारा शुक्रवार की रात वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान फूल मंडी से पुश्ता रोड पर एक संदिग्ध बाइक सवार को रूकने का इशारा किया गया। पुलिस को देखने के बाद बाइक सवार तेज गति से भागने लगा और पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस ने भी संदिग्ध बाइक सवार पर फायरिंग की। पुलिस क गोली लगने से बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गया, जिसके बाद बाइक सवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

पकड़े गए बाइक सवार की पहचान आकाश उर्फ योगेश पुत्र जगत निवासी ग्राम झाझर पूर्वा जिला औरेया वर्तमान निवासी सेक्टर 63 नोएडा के रूप में हुई है। घायल घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया आकाश एक शातिर बदमाश है और उसके खिलाफ एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं।

यूपी में शीघ्र 100 नए.....

लगभग 14 टन कम्प्रेस्ड बायो गैस का उत्पादन होगा। यह बायो गैस पराली के निदान के लिए भी अत्यंत उपयोगी है। इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वेस्ट टू वेल्थ' की परिकल्पना के अनुसार बायो गैस बेहतरीन विकल्प है। यह एनसीआर में स्मॉग की समस्या का समाधान तो है ही किसानों की आमदनी बढ़ाने का माध्यम भी है।

पत्रकार वार्ता में भारत सरकार के पेट्रोलियम सचिव पंकज जैन ने कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट की स्थापना के लिए भारत सरकार द्वारा दिये जा रहे प्रोत्साहन की जानकारी दी। यूपी सरकार की बायो फ्यूल पॉलिसी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यूपी की जैव ईंधन नीति के तहत बायो एनर्जी प्लांट की स्थापना के लिए 20 करोड़ रुपये तक का अनुदान दिए जाने की व्यवस्था है। यूपी में इस सेक्टर में बेहतर करने के लिए अनुकूल अवसर है। यहां पराली भी है, सरकार की प्रतिबद्धता भी है और पोटेंशियल भी है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर भी सृजित होंगे।

दूध के पैसे ....

वह तथा उसका पूरा परिवार भयभीत है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनकी तलाश की जा रही है।

ब्रेजा कर ने ....

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थाना सूरजपुर पुलिस ने घायल जितेंद्र को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों से मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस संबंध में मृतक के परिजनों ने ब्रेजा कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

अब ऑनलाइन पंजीकरण ....

मथुरा के वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन कराने और भीड़ नियंत्रण के लिए ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था को अमल में लाने के साथ मंदिर की आंतरिक व्यवस्था में बदलाव की कवायद में जुटा है। इन बिंदुओं को लेकर बृहस्पतिवार को पर्यटक सुविधा केंद्र (टीएफसी) में डीएम एवं एसएसपी ने सेवायतों के साथ बैठक की। सेवायतों ने इन बिंदुओं पर सहमति जताई है, लेकिन बिना न्यायालय की अनुमति इसे लागू नहीं किया जा सकता। ऐसे में प्रशासन अब न्यायालय में अपना पक्ष रखेगा।

डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि बांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन कराने के लिए कई व्यवस्थाएं की हैं। इनमें वन-वे रूट के साथ बैरिकेडिंग में श्रद्धालुओं को कतारबद्ध दर्शन कराने की योजना भी शामिल है, लेकिन भीड़ को नियंत्रण करने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था लागू करना जरूरी है। इसकी योजना बना ली गई है। इसके अलावा जिला प्रशासन ने सेवायतों को बांकेबिहारी के दर्शन के समय में बढ़ोतरी और ठाकुरजी को मंदिर के जगमोहन में विराजित करने की योजना पर सुझाव लिए।

सेवायतों ने प्रशासन की तीनों योजनाओं पर सहमति जताते हुए मंदिर प्रशासक सिविल जज जूनियर डिवीजन से इसकी अनुमति लेने की बात कही। सेवायत दिनेश गोस्वामी, रजत गोस्वामी ने कहा कि मंदिर प्रबंध कमेटी गठित नहीं है और वर्तमान में हर व्यवस्था मथुरा मुंसिफ कोर्ट के निर्देशन में चल रही है। ऐसे में न्यायालय की अनुमति के बिना कोई भी नई व्यवस्था लागू नहीं की जा सकती है। इस पर डीएम और एसएसपी ने दोनों पक्षों से एकराय होकर सिविल जज जूनियर डिवीजन से सहमति लेने की बात कही।

डीएम ने बताया कि एप में निशुल्क ऑनलाइन बुकिंग कराने के लिए समय अनुसार स्लॉट होंगे। पांच हजार श्रद्धालुओं का प्रति घंटे का स्लॉट बनाने की योजना बनाई जा रही है। सेवायतों के साथ सहमति बनाकर हम अदालत के समक्ष अपना प्रस्ताव रखेंगे, ताकि व्यवस्था लागू कराने में सहायता मिल सके।

बैठक में बांकेबिहारी के दर्शन के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण व्यवस्था का संचालन करने के लिए एचडीएफसी बैंक के क्लस्टर हैड गिरिराज अग्रवाल ने प्रजेंटेशन दिया। इसमें बताया कि श्रद्धालु वृंदावन में अपना वाहन खड़ा करने के बाद टीएफसी, मल्टीलेवल पार्किंग एवं दारुक पार्किंग पर बनाई गई विंडो पर ऑफलाइन पंजीयन करा सकता है। इसके अलावा वेबसाइट पर जाकर और मोबाइल एप के जरिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकता है। इस में समय के अनुसार स्लॉट बनाए गए हैं। एक समय में पांच हजार श्रद्धालुओं के पंजीकरण की व्यवस्था है।

पंजीकरण चैक करने के लिए मंदिर के प्रवेश द्वारों पर कर्मचारी तैनात रहेंगे, जो कि क्यूआर कोड के जरिए पता लगा सकेंगे कि पंजीकरण सही है या गलत। उसके बाद ही मंदिर में प्रवेश देंगे। बैठक में एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय, एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार, विप्रा सचिव राजेश कुमार, अपर नगर आयुक्त क्रांतिशेखर सिंह, सीओ सदर प्रवीण मलिक, मंदिर प्रबंधक मुनीश शर्मा, उमेश सारस्वत एवं बांकेबिहारी मंदिर के सेवायत गोपी गोस्वामी, भीकचंद्र गोस्वामी, बच्चू गोस्वामी, मनोज गोस्वामी, प्रहलादवल्लभ गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

बांकेबिहारी मंदिर प्रबंध कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष रजत गोस्वामी ने बताया कि बांकेबिहारी के दर्शन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था पर पहले ही सहमत थे। जिला प्रशासन ने बैठक में सुझाव लिए हैं, लेकिन उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका लंबित है। इसकी अगली सुनवाई 31 जनवरी को है। मंदिर में अंदर किसी भी प्रकार के बदलाव के लिए न्यायालय से सहमति लिया जाना जरूरी है।

तिरंगा फहराने से पहले जरूरी खास बातें

तिरंगा भारत के राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। सभी के मार्गदर्शन और हित के लिए भारतीय ध्वज संहिता-2002 में सभी नियमों, रिवाजों, औपचारिकताओं और निर्देशों को एक साथ लाने का प्रयास किया गया है। ध्वज संहिता-भारत के स्थान पर भारतीय ध्वज संहिता-2002 को 26 जनवरी 2002 से लागू किया गया है। यह है तिरंगा फहराने का सही तरीका -

- जब भी तिरंगा फहराया जाए तो उसे सम्मानपूर्ण स्थान दिया जाए। उसे ऐसी जगह लगाया जाए, जहां से वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे।
- सरकारी भवन पर तिरंगा रविवार और अन्य छुट्टियों के दिनों में भी सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाता है, विशेष अवसरों पर इसे रात को भी फहराया जा सकता है।
- तिरंगे को सदा स्फूर्ति से फहराया जाए और धीरे-धीरे आदर के साथ उतारा जाए। फहराते और उतारते समय बिगुल बजाया जाता है तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि तिरंगे को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए।
- तिरंगे का प्रदर्शन सभा मंच पर किया जाता है तो उसे इस प्रकार फहराया जाएगा कि जब वक्ता का मुंह श्रोताओं की ओर हो तो तिरंगा उनके दाहिने ओर हो।
- जब तिरंगा किसी भवन की खिड़की, बालकनी या अगले हिस्से से आड़ा या तिरछा फहराया जाए तो तिरंगे को बिगुल की आवाज के साथ ही फहराया और उतारा जाए।
- तिरंगा किसी अधिकारी की गाड़ी पर लगाया जाए तो उसे सामने की ओर बीचोंबीच या कार के दाईं ओर लगाया जाए।
- फटा या मैला तिरंगा नहीं फहराया जाता है।
- जब तिरंगा फट जाए या मैला हो जाए तो उसे एकांत में पूरा नष्ट किया जाए।
- तिरंगा केवल राष्ट्रीय शोक के अवसर पर ही आधा झुका रहता है।
- किसी दूसरे झंडे या पताका को राष्ट्रीय तिरंगे से ऊंचा या ऊपर नहीं लगाया जाएगा, न ही बराबर में रखा जाएगा।
- तिरंगे पर कुछ भी लिखा या छपा नहीं होना चाहिए।

26 जनवरी की परेड

26 जनवरी की परेड राजपथ के राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक मार्च करती है। चलिये अब मैं आपको इस परेड की कुछ खासियत बताता हूँ सबसे पहले, राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज को फहराते है। जिसके साथ ही भारत का राष्ट्रीय गान बजाया जाता है, और एक 21-तोपों की सलामी दी जाती है।

राष्ट्रपति क्षेत्र में अपने असाधारण साहस के लिए सशस्त्र बलों से लोगों को बहादुरी के पदक प्रदान करने के लिए आगे आते हैं और जिन्होंने अलग-अलग परिस्थितियों में वीरता के अपने अलग-अलग कार्यों से खुद को प्रतिष्ठित किया है, उनको पुरस्कार से नवाजते हैं। इसके बाद सेना, नौसेना और वायु सेना की कई रेजिमेंटों के साथ उनके बैंड के साथ मार्च किया जाता है, जिसकी प्रैक्टिस यह सेना न जाने कितने समय पहले से करती हैं। उसके उपरांत विभिन्न राज्यों की झांकी उनकी संस्कृति को प्रदर्शित करती हुई उसी राजपथ से निकलती हैं।

एक बीटिंग रिट्रीट समारोह परेड के अंत का प्रतीक है। परेड पारंपरिक रूप से सशस्त्र बलों और नागरिक सुरक्षा सेवाओं की मोटरसाइकिल इकाइयों और भारतीय वायु सेना के जेट विमानों और हेलीकॉप्टर द्वारा एक फ्लाईपास्ट की हिम्मत शैतान मोटर साइकिल की सवारी के प्रदर्शन के साथ समाप्त होती है। हर साल 23 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल परेड का आयोजन किया जाता है। यदि आप परेड देखना चाहते हैं तो आप भी टिकट खरीद कर परेड देखने के लिए 26 जनवरी को लाल किला जा सकते हैं, यकीनन ही आपको बहुत आनंद आएगा।

प्रत्येक इंसान का हर काम को करने का अपना एक तरीका होता है, ठीक इसी तरह से त्योहार भी हम अपने ढंग से मनाना पसंद करते हैं। कुछ लोगों को नए कपड़े और मिठाई खाना पसंद है, तो वही कुछ लोग त्योहार को अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मनाना पसंद करते हैं, वहीं कुछ तो इसे एक आम दिन की तरह ही व्यतित करते हैं। क्योंकि गणतंत्र दिवस एक राष्ट्रीय त्योहार है, झण्डा फहराने, राष्ट्रीय गीत गाना, देशभक्ति गानों पर नृत्य परस्तुति, देशभक्ति गाने, गीत एवं कविताएं का हमारे देश में काफी प्रचलन है।

हमारा गणतंत्र हमारा अभिमान

भारत विविध धर्मों, आस्थाओं और संस्कृतियों का देश है और यहां हर दिन कोई न कोई त्यौहार मनाया जाता है। हर धर्म को मानने वाले लोग पूरे उल्लास के साथ अपने पर्व मनाते हैं, लेकिन कुछ त्यौहार ऐसे भी हैं, जो प्रत्येक देशवासी के लिए महत्वपूर्ण हैं और पूरे देश में सम्मान और स्नेह के साथ मनाए जाते हैं। 26 जनवरी भी एक ऐसा ही दिन है, जो देश का राष्ट्रीय पर्व है। देश का हर नागरिक चाहे वह किसी धर्म, जाति या संप्रदाय से ताल्लुक रखता हो, इस दिन को राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत होकर मनाता है। 26 जनवरी को पूरा देश गणतंत्र दिवस मनाएगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के राजपथ पर देश की सांस्कृतिक विविधता में एकता और सैन्य ताकत की झलक दिखाई देगी।

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, और यदि आप भी मेरी ही तरह इस महान देश के नागरिक हैं तो यकीनन ही यह ज्ञात होगा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण होते ही भारत के प्रत्येक वर्ग के नागरिक को अपना नेता वोट देने की प्रक्रिया को फॉलो करते हुए खुद चुनने का अधिकार है और उसके उपरान्त वो नेता अपने साथ कार्यरत नेता के साथ भारत देश की जनता के विकास के लिए कार्य करते हैं।

दोस्तों, आइए आज मैं आपको देश के लोकतांत्रिक देश बनने के सफर के बारे में थोड़ी जानकारी देता हूँ, यदि आपको इतिहास विषय पसंद है तो यकीनन ही आपको 26 जनवरी का इतिहास पढ़ने में अच्छा लगेगा। 1947 में जब देश के स्वतंत्रता सेनानियों के लगातार परिश्रम से भारत को अंग्रेजों से आजादी मिली, तब सवाल खड़ा हुआ कि देश का प्रधानमंत्री किसको बनाया जाए?

हमारे भारत में राष्ट्रीय भावी प्रधानमंत्री के गद्दी लिये 1947 में ही मतदान हुआ था, तो उसी समय से भारत वासियों ने वोट देना शुरू कर दिया था। फर्क सिर्फ इतना था उन दिनों पुरुषों को ही मत देने का अधिकार था, औरते इसमें हिस्सा नहीं लेती थी। मतदान में दो कॉंग्रेस नेता ने हिस्सा लिया था और जब परिणाम सामने आया तो सरदार पटेल अर्थात भारत के आयरन मैन सरदार वल्लभ भाई पटेल को सर्वाधिक मत मिले। उनके बाद सर्वाधिक मत आचार्य कृपलानी को मिले थे। किन्तु गांधी जी के कहने पर सरदार पटेल और आचार्य कृपलानी ने अपना नाम वापस ले लिया और जवाहरलाल नेहरू को भारत के आजाद होने के बाद पहला प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। 1947 से पूर्व जब भारत में अंग्रेज शासन कर रहे थे जब देश में लोकतंत्र नहीं था, और यही कारण था देश के बड़े नेता ने मिल कर सहमति से यह फैसला लिया था कि स्वतंत्र भारत को लोकतांत्रिक बनाया जाएगा। आजादी के कुछ दिन पश्चात 29 अगस्त, 1947 को संविधान सभा में डॉ बी आर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया जिसके तहत अंबेडकर को भारत के लिए एक संविधान तैयार करने के लिए कहा गया।

संविधान पर विचार-विमर्श करते हुए, विधानसभा ने कुल 7,635 में से 2,473 संशोधनों को स्थानांतरित किया। भारत का संविधान 26 नवंबर, 1949 को बन कर तैयार हुआ और अपनाया गया था और माननीय सदस्यों ने 24 जनवरी, 1950 को इस पर अपने हस्ताक्षर किए।

284 सदस्यों ने वास्तव में संविधान पर हस्ताक्षर कर उसे अपनाया, उस दिन जब संविधान पर हस्ताक्षर किया जा रहा था तब इसे एक अच्छे शगुन के संकेत के रूप में देश की जनता के सामने इसकी व्याख्या की गई थी। भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, और तब से भारत के सभी देशवासियों के लिए एक ही नियम और मौलिक अधिकार दिए गए और यह माना गया कि सब समान हैं और 26 जनवरी को प्रतिवर्ष हमने गणतंत्र दिवस के रूप में मनाना आरंभ कर दिया।

राष्ट्रीय पर्व होने के कारण गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर विद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं ऑफिस में विभिन्न प्रकार 26 जनवरी पर ड्राइंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जाता है, जो विद्यार्थी इच्छुक होते है वो अपने आप को हिस्सेदार के रूप में प्रस्तुत करते हैं और बढ़ चढ़ के अपने कला का प्रदर्शन करते हैं। वैसे तो महामारी ने हमे बांध के रख दिया है लेकिन एक तरफ यह भी सत्य है कि कुछ भी रुक नहीं पाया है, दुनिया अपनी तेजी से चल रही है और आगे बढ़ती जा रही है। यदि आने वाले गणतंत्र दिवस पर आपके भी विद्यालय में इस तरह का कोई कॉम्पीटीशन का आयोजन हो रहा है, और आपको अपने घर से ही पोस्टर बना के उसकी तस्वीर ऑनलाइन सोशल मीडिया के माध्यम से अपने शिक्षक के साथ शेयर कर दिखाना है तो आप नीचे दिए गए इमेज कि मदद ले सकते हैं और यकीनन ही आप कोई स्थान भी प्राप्त कर सकते हैं।

पहला गणतंत्र दिवस परेड 26 जनवरी 1950 को आयोजित किया गया था, जिसमें उस समय के इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो मुख्य अतिथि के रूप में आए थे। उस परेड के फ्लाईपास्ट में हार्वर्ड, समेकित बी -24 लिबरेटर्स, डकोटा, हॉकर टेम्पेस्ट, स्पिटफायर और जेट विमानों जैसे विमान शामिल थे और कुल मिला कर सौ से अधिक विमान उस परेड में शामिल थे। दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड भारत में गणतंत्र दिवस समारोह को चिह्नित करने वाली सबसे बड़ी और सबसे महत्वपूर्ण परेड है। परेड हर साल 26 जनवरी को राजपथ, नई दिल्ली में होती है। दोस्तों राष्ट्रीय त्योहार होने के कारण यह बहुत बड़े लेवल पर भारत में मनाया जाता है और गणतंत्र दिवस समारोह में परेड एक मुख्य आकर्षण का हिस्सा है, जो 3 दिनों तक चलता है।

वंदे मातरम की अमर कहानी

वन्दे मातरम!
सुजलाम, सुफलाम मलयज-शीतलाम
शस्यश्यामलाम मातरम!
वन्दे मातरम!
शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम
सुहासिनीम सुमधुरभाषिणीम
सुखदाम, वरदाम, मातरम!
वन्दे मातरम ! वन्दे मातरम !

ब्रिटिश शासन के दौरान देशवासियों के दिलों में गुलामी के खिलाफ आग भड़काने वाले सिर्फ दो शब्द थे- 'वंदे मातरम'। आइए बताते हैं इस क्रांतिकारी, राष्ट्रभक्ति के अजर-अमर गीत के जन्म की कहानी -

बंगाल के महान साहित्यकार श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के ख्यात उपन्यास 'आनंदमठ' में वंदे मातरम का समावेश किया गया था। लेकिन इस गीत का जन्म 'आनंदमठ' उपन्यास लिखने के पहले ही हो चुका था। अपने देश को मातृभूमि मानने की भावना को प्रज्वलित करने वाले कई गीतों में यह गीत सबसे पहला है। 'वंदे मातरम' के दो शब्दों ने देशवासियों में देशभक्ति के प्राण फूँक दिए थे और आज भी इसी भावना से 'वंदे मातरम' गाया जाता है। हम यों भी कह सकते हैं कि देश के लिए सर्वोच्च त्याग करने की प्रेरणा देशभक्तों को इस गीत से ही मिली। पीढ़ियाँ बीत गईं पर 'वंदे मातरम' का प्रभाव अब भी अक्षुण्ण है।

'आनंदमठ' उपन्यास के माध्यम से यह गीत प्रचलित हुआ। उन दिनों बंगाल में 'बंग-भंग' का आंदोलन उफान पर था। दूसरी ओर महात्मा गाँधी के असहयोग आंदोलन ने लोकभावना को जाग्रत कर दिया था। बंग भंग आंदोलन और असहयोग आंदोलन दोनों में 'वंदे मातरम' ने प्रभावी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए यह गीत पवित्र मंत्र बन गया था।

बंकिम बाबू ने 'आनंदमठ' उपन्यास 1880 में लिखा। कलकत्ता की 'बंग दर्शन' मासिक पत्रिका में उसे क्रमशः प्रकाशित किया गया। अनुमान है कि 'आनंदमंठ' लिखने के करीब पाँच वर्ष पहले बंकिम बाबू ने 'वंदे मातरम' को लिख दिया था। गीत लिखने के बाद यह यों ही पड़ा रहा। पर 'आनंदमठ' उपन्यास प्रकाशित होने के बाद लोगों को उसका पता चला। इस संबंध में एक दिलचस्प किस्सा है। बंकिम बाबू 'बंग दर्शन' के संपादक थे। एक बार पत्रिका का साहित्य कम्पोज हो रहा था। तब कुछ साहित्य कम पड़ गया, इसलिए बंकिम बाबू के सहायक संपादक श्री रामचंद्र बंदोपाध्याय बंकिम बाबू के घर पर गए और उनकी निगाह 'वंदे मातरम' लिखे हुए कागज पर गई। कागज उठाकर श्री बंदोपाध्याय ने कहा, फिलहाल तो मैं इससे ही काम चला लेता हूँ। पर बंकिम बाबू तब गीत प्रकाशित करने को तैयार नहीं थे। यह बात 1872 से 1876 के बीच की होगी। बंकिम बाबू ने बंदोपाध्याय से कहा कि आज इस गीत का मतलब लोग समझ नहीं सकेंगे। पर एक दिन ऐसा आएगा कि यह गीत सुनकर सम्पूर्ण देश निद्रा से जाग उठेगा। इस संबंध में एक किस्सा और भी प्रचलित है। बंकिम बाबू दोपहर को सो रहे थे। तब बंदोपाध्याय उनके घर गए। बंकिम बाबू ने उन्हें 'वंदे मातरम' पढ़ने को दिया। गीत पढ़कर बंदोपाध्याय

ने कहा, 'गीत तो अच्छा है, पर अधिक संस्कृतनिष्ठ होने के कारण लोगों की जुबान पर आसानी से चढ़ नहीं सकेगा।' सुनकर बंकिम बाबू हँस दिए। वे बोले, 'यह गीत सदियों तक गाया जाता रहेगा।' 1876 के बाद बंकिम बाबू ने बंग दर्शन की संपादकी छोड़ दी।

875 में बंकिम बाबू ने एक उपन्यास 'कमलाकांतेर दफ्तर' प्रकाशित किया। इस उपन्यास में 'आभार दुर्गोत्सव' नामक एक कविता है। 'आनंदमठ' में संत-गणों को संकल्प करते हुए बताया गया है। उसकी ही आवृत्ति 'कमलाकांतेर दफ्तर' के कमलकांत की भूमिका निभाने वाले चरित्र के व्यवहार में दिखाई देती है। धीर-गंभीर देशप्रेम और मातृभूमि की माता के रूप में कल्पना करते हुए बंकिम बाबू गंभीर हो गए और अचानक उनके मुँह से 'वंदे मातरम' शब्द निकले। यही इस अमर गीत की कथा है। 1896 में कलकत्ता में कॉंग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। उस अधिवेशन की शुरुआत इसी गीत से हुई और गायक कौन थे पता है आपको? गायक और कोई नहीं, महान साहित्यकार स्वयं गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर थे। कितना भाग्यशाली गीत है यह, जिसे सबसे पहले गुरुदेव टैगोर ने गाया। यह भी माना जाता है कि बंकिम बाबू एक कीर्तनकार द्वारा गाए गए एक कीर्तन गीत 'एसो एसो बंधु माघ आँचरे बसो' को सुनकर बेहद प्रभावित हुए। गीत सुनकर गुलामी की पीड़ा का उन्होंने तीव्र रूप से अनुभव किया। इस एक गीत ने भारतीय युवकों को एक नई दिशा-प्रेरणा दी, स्वतंत्रता संग्राम का महान उद्देश्य दिया। मातृभूमि को सुजलाम-सुफलाम बनाने के लिए प्रेरित किया। 'वंदे मातरम' इन दो शब्दों ने देश को आत्मसम्मान दिया और देशप्रेम की सीख दी। हजारों वर्षों से सुप्त पड़ा यह देश इस एक गीत से निद्रा से जाग उठा। तो ऐसी दिलचस्प कहानी है वंदे मातरम गीत की।

संविधान की खास बातें

संविधान सभा की प्रथम बैठक सोमवार 9 दिसंबर 1946 को प्रातः 11 बजे शुरू हुई। इसमें 210 सदस्य उपस्थित थे। 11 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की बैठक में डॉ. राजेंद्रप्रसाद को स्थायी अध्यक्ष चुना गया, जो अंत तक इस पद पर बने रहे। 13 दिसंबर 1946 को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संविधान का उद्देश्य प्रस्ताव सभा में प्रस्तुत किया, जो 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया। इसकी मुख्य बातें इस प्रकार हैं-

- भारत एक पूर्ण संप्रभुता संपन्न गणराज्य होगा, जो स्वयं अपना संविधान बनाएगा।
- भारत संघ में ऐसे सभी क्षेत्र शामिल होंगे, जो इस समय ब्रिटिश भारत में हैं या देशी रियासतों में हैं या इन दोनों से बाहर, ऐसे क्षेत्र हैं, जो प्रभुतासंपन्न भारत संघ में शामिल होना चाहते हैं।
- भारतीय संघ तथा उसकी इकाइयों में समस्त राजशक्ति का मूल स्रोत स्वयं जनता होगी।
- भारत के नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, पद, अवसर और कानूनों की समानता, विचार, भाषण, विश्वास, व्यवसाय, संघ निर्माण और कार्य की स्वतंत्रता, कानून तथा सार्वजनिक नैतिकता के अधीन प्राप्त होगी।
- अल्पसंख्यक वर्ग, पिछड़ी जातियों और कबायली जातियों के हितों की रक्षा की समुचित व्यवस्था की जाएगी।
- अवशिष्ट शक्तियां इकाइयों के पास रहेंगी।
- 26 जनवरी 1950 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के बाद भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को फहराकर भारतीय गणतंत्र के ऐतिहासिक जन्म की घोषणा की थी। अंग्रेजों के शासनकाल से छुटकारा पाने के 894 दिन बाद हमारा देश स्वतंत्र राज्य बना। तब से आज तक हर वर्ष समूचे राष्ट्र में गणतंत्र दिवस गर्व और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

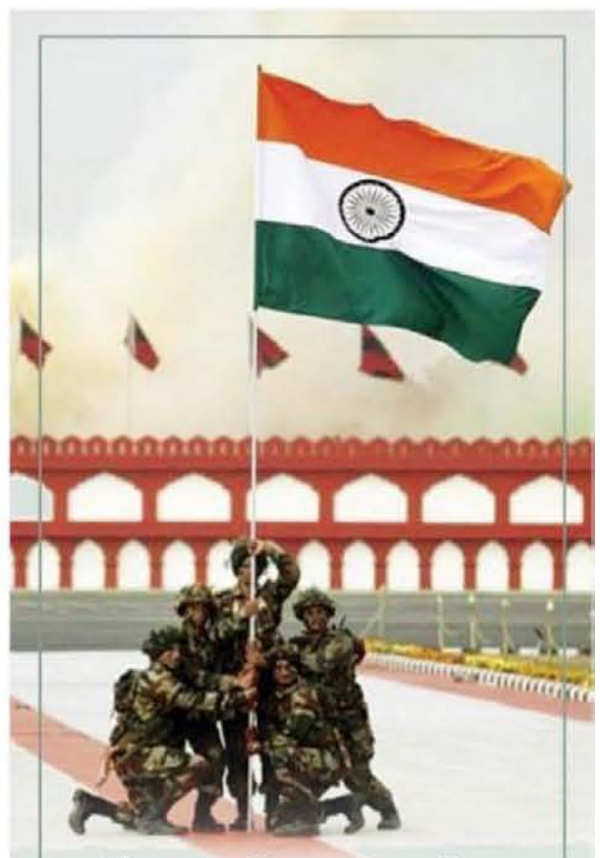

देशभक्ति व करियर दोनों हैं अहम

26 जनवरी को पूरा देश 'गणतंत्र दिवस' मनाएगा। यह जश्न है एकता, समानता और स्वतंत्रता का। उन शहीदों को इस पर्व के माध्यम से नमन करने का जिनकी वजह से हमें खुलकर जीने की आजादी मिली। साथ ही सलाम उन जवानों को जो सीमा पर जागते हैं ताकि हम चैन की नींद सो सकें। यह जज्बा धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। इसका कारण युवाओं की लाइफस्टाइल में आया बदलाव भी है। ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में आज का युवा देशभक्ति से ज्यादा पैसे की ओर रुख कर रहा है। युवा देश के लिए बहुत कुछ करना चाहते हैं, इसलिए उनकी एक राय यह भी है कि आर्मी के अलावा भी किसी फील्ड में रहते हुए देश के विकास में अहम योगदान दे सकते हैं, बशर्ते कि वे अपने फील्ड में ईमानदारी से काम करें।

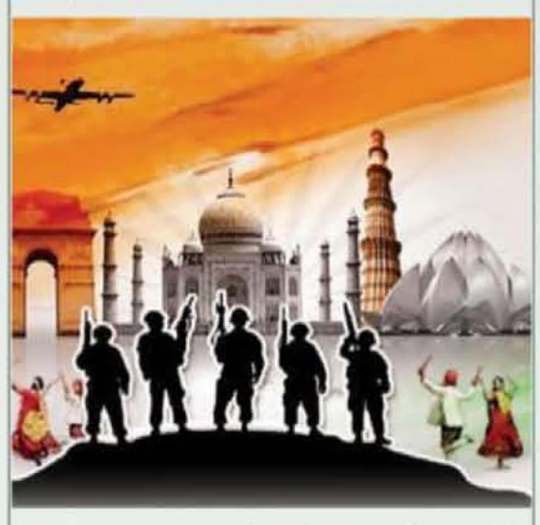

देशभक्ति पर करियर भारी

यश जोशी कहते हैं कि इंडियन आर्मी यानी बेहतर करियर, अनुशासन के साथ सम्मान की जिंदगी। लेकिन आज प्रोफेशनल कोर्सेस के आने के बाद स्टूडेंट को लगता है कि आर्मी में करियर बनाना आसान नहीं है, क्योंकि टफ ट्रेनिंग और घर से दूर जाना उन्हें कम ही रास आता है। वे देशभक्ति की जगह मोटी कमाई को तवज्जो दे रहे हैं। जिन युवाओं में आर्मी के जुनून और देश के लिए कुछ करने का जज्बा होता है जब वे घरवालों से यह बात कहते हैं तो उनके घरवाले चाहते हैं कि वे आर्मी की बजाय दूसरे फील्ड में करियर बनाएँ।

ईमानदारी से कार्य करने की है जरूरत

एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की स्टूडेंट राधिका राघव कहती हैं- आजकल युवा सेना में नहीं जाना चाहते हैं हालाँकि देशभक्ति का यह पैमाना कतई नहीं है कि हर व्यक्ति सेना में जाए। देश की सेवा किसी भी रूप में हो सकती है जिसके लिए हमें अपनी फील्ड में ईमानदारी से कार्य करने की जरूरत है। युवा के लिए वास्तव में नाम व पैसे के साथ-साथ समाज व देश के प्रति कुछ कर पा लेने की संतुष्टि और गर्व होना भी जरूरी है।

आज भी है जुनून

आईआईपीएस के स्टूडेंट शुभम शर्मा कहते हैं कि युवाओं में एक बात यह है कि वे खुद की मर्जी के मालिक कुछ ज्यादा ही होते हैं। इसका कारण हमारी लाइफ स्टाइल में आया बदलाव भी है। आज करना है तो बस करना है कि तर्ज पर जिंदगी जीने वाले युवा कहीं भी फोकस नहीं कर पाते या फिर असमंजस की स्थिति में पड़ जाते हैं इसलिए वे जीवन में देशभक्ति व करियर में से किसी एक का चुनाव नहीं कर पाते हैं। वहीं दूसरी ओर आज भी युवा तिरंगे को देखकर रोमांचित होता है। जन-गण-मन सुनकर एक बार सावधान की मुद्रा में खड़ा होने को तैयार रहता है। लेकिन उसे लगता है कि साथ देने वाला कोई नहीं है तो मन मारकर वह देशभक्ति करने से रह जाता है।

करियर भी देशसेवा भी

ईएमआरसी की स्टूडेंट कृणिका सक्सेना कहती हैं कि आज भगतसिंह पैदा नहीं हो सकते लेकिन व्हाइट कॉलर लोगों के भरोसे भी यह देश नहीं चलना है। करियर बनाने के बाद भी हर युवा को देश की सेवा व देश में रहना कम पसंद आता है। इसके लिए युवा जिम्मेदार नहीं हैं। इसका कारण भ्रष्टाचार भी है। लेकिन कई युवा इस दौर में भी अपनी पसंद के करियर के साथ भी देशसेवा कर रहे हैं। वे जता रहे हैं कि देशसेवा भी उनके लिए महत्वपूर्ण है।

हंसगुल्ले

संता को बड़ी मुश्किल से एक नौकरी मिली। वह बहुत खुश हुआ। पहले दिन जब वह ऑफिस पहुंचा तो उसे उसका काम बता कर उसके बैठने की जगह बता दी गई। वह रात के ग्यारह बजे तक अपनी सीट पर बैठ कर काम करता रहा। उसके बॉस बहुत खुश हुए कि बंदा बहुत मेहनती है। जब वह बॉस के पास यह कहने गया कि अब वह घर जा रहा है तो बॉस ने पूछा- आज तो तुमने बहुत काम किया। जरा अपने काम के बारे में बताओ। संता झल्लाता हुआ बोला- खाक काम करता। की-बोर्ड का सारा बटन उल्टा-पुल्टा था। ए, बी, सी..ठीक करते-करते ही ग्यारह बज गए।

••••

वीरू, जय से- कल तुझे मेरे मोहल्ले के दस लड़कों ने बहुत बुरी तरह पीटा। फिर तूने क्या किया?
वीरू- मैंने उन सभी से कहा कि कि अगर हिम्मत है, तो अकेले-अकेले आओ।
जय- फिर क्या हुआ?
वीरू- होना क्या था, उसके बाद उन सबने एक-एक करके फिर से मुझे पीटा।

••••

एक आदमी पहलवान से- तुम मेरे तीस दांत तोड़ने की धमकी दे रहे हो। पूछ सकता हूं कि बाकी के दो दांतों पर इतना रहम क्यों?
पहलवान- त्योहार में सबको विशेष छूट दे रहा हूं।

••••

जेलर (चोर से)- तुम्हारा कोई रिश्तेदार तुमसे मिलने क्यों नहीं आता?
चोर (हंसते हुए)- दरअसल, वो सब जेल में ही हैं।

••••

संता- यार उत्तरपुस्तिका में क्या लिखूं?
बंता- यही कि इस शीट पर लिखे गए सारे उत्तर काल्पनिक हैं और इनका किसी भी किताब से कोई ताल्लुक नहीं है।

••••

टीचर- राहुल बताओ, अकबर ने कब तक शासन किया था?
राहुल- पेज नम्बर 14 से लेकर पेज 20 तक।

••••

सुधर गया सुब्बा

एक बार फारस देश से घोड़ों का एक व्यापारी कुछ बेहद उत्तम नस्ल के घोड़े लेकर विजय नगर आया। सभी जानते थे कि महाराज कृष्णदेव राय घोड़ों के उत्तम पारखी हैं। उनके अस्तबल में चुनी हुई नस्लों के उत्तम घोड़े थे। महाराज ने फारस के व्यापारी द्वारा लाए गए घोड़ों का निरीक्षण किया तो पाया कि वे घोड़े दुर्लभ नस्ल के हैं। उन्होंने व्यापारी से सभी घोड़े खरीद लिए, क्योंकि वे अपनी सेना को और मजबूत व सुसज्जित करना चाहते थे।

जब घोड़ों का व्यापारी चला गया तो महाराज ने अपनी घुड़सवार सेना के चुने हुए सैनिकों को बुलाया और एक-एक घोड़ा देते हुए उसकी अच्छी तरह देखभाल और उसे भलीभांति प्रशिक्षित करने को कहा। साथ ही यह भी कहा कि घोड़ों के प्रशिक्षण व भोजन आदि का सारा खर्च राजकोष उठाएगा।

तेनालीराम को जब पता चला तो वह भी महाराज के पास पहुंचा और एक घोड़ा अपने लिए भी मांगा। उसे भी एक घोड़ा दे दिया गया। तेनालीराम ने घोड़े को घर लाकर अस्तबल में बांध दिया। लेकिन उसे न जाने क्या सूझा कि उसने अस्तबल के सामने की ओर भी दीवार उठवा दी। अब अस्तबल की स्थिति कुछ ऐसी हो गई थी कि न तो वह घोड़ा कहीं बाहर जा सकता था और न ही कोई उस अस्तबल में प्रवेश ही कर सकता था। तेनालीराम ने अस्तबल की दीवार में एक छोटी सी खिड़की छुड़वा दी थी, जहां से घोड़े को दाना-पानी दिया जा सके। उसी खिड़की से तेनालीराम घोड़े को हरी घास, दाना-पानी देता और घोड़ा भी खिड़की से अपना मुंह बाहर निकाल कर उसे मुंह में दबाता और भीतर खींच लेता। घोड़े को पानी भी इसी खिड़की द्वारा पहुंचाया जाता। करीब एक महीने बाद महाराज ने घोड़े की सुध-बुध ली और यह जानने की कोशिश की कि किस प्रकार उसकी देखभाल व प्रशिक्षण का काम चल रहा है, तब सभी सैनिक अपने-अपने घोड़े लेकर महाराज के सम्मुख आ पहुंचे। हष्ट-पुष्ट व भली भांति प्रशिक्षित घोड़ों को देख महाराज बेहद प्रसन्न हुए।

लेकिन तभी उन्होंने पाया कि तेनालीराम और उसका घोड़ा कहीं दिखाई नहीं दे रहे। इधर-उधर निगाहें दौड़ाते महाराज ने पूछा, 'तेनालीराम कहां है? जाओ, उससे कहो कि अपने घोड़े के साथ हमारे सामने जल्दी पेश हो।'

एक सैनिक तेनालीराम के घर की ओर दौड़ा और उसे महाराज का संदेश दिया कि जल्दी से जल्दी घोड़े को लेकर उनके सामने हाजिर हो जाए। लेकिन तेनालीराम अकेला ही चल दिया। उसे अकेला आया देख महाराज बोले, 'तुम्हारा घोड़ा कहां है? आज मैं सभी घोड़ों का मुआयना कर रहा हूं कि उनकी कैसी देखरेख की गई है। जाओ, अपना घोड़ा लेकर आओ।'

'क्षमा करें महाराज!' तेनालीराम बोला, 'आपने मुझे जो घोड़ा दिया वह घोड़ा गुस्सैल है और अडियल है। मैं तो उसे अपने साथ यहां लाना चाहता था, लेकिन मेरे लिए यह संभव नहीं हो पाया।' कहकर तेनालीराम चुप हो गया।

'यदि ऐसा है तो मैं कुछ बहादुर सैनिकों को तुम्हारे साथ भेज देता हूं, जो तुम्हारे साथ जाकर घोड़ा ले आएंगे।' महाराज ने कहा।

'नहीं-नहीं महाराज! ऐसा हरगिज न करिएगा। अब तक घोड़े की देखभाल मैंने की है और मैं ब्राह्मण हूं, इसलिए अच्छा तो यह होगा कि आप किसी पंडित या पुरोहित को घोड़ा लाने के लिए मेरे साथ भेजें।' होठों पर रहस्मय मुस्कान लाते हुए तेनालीराम बोला।

संयोगवश राजपुरोहित उस दरबार में उपस्थित था। वह राजपरिवार में कुछ पूजा-पाठ के कर्मकांड करवाने वहां आया था।

सुब्बा शास्त्री नाम था राजपुरोहित का।

'क्या तुम तेनालीराम के साथ जाकर उसके अस्तबल से घोड़ा यहां ला सकते हो?' महाराज ने उससे पूछा।

तेनालीराम और महाराज की निकटता देख सुब्बा शास्त्री जला-भुना करता था और तेनालीराम को नीचा दिखाने का कोई मौका चूकना नहीं चाहता था। वह बोला, 'क्यों नहीं महाराज! मैं अभी जाकर घोड़ा ले आता हूं। ऐसे एक घोड़े की तो बात ही क्या, मैं दस बिगड़ैल-गुस्सैल घोड़ों को साथ ला सकता हूं।'

'ठीक है ! यदि ऐसा है तो आइए मेरे साथ।' तेनालीराम बोला।

जब सुब्बा शास्त्री और तेनालीराम जा रहे थे तो रास्ते में तेनालीराम बोला, 'शास्त्री जी मैं जानता हूं कि आप विद्वान हैं और मैं यह भी जानता हूं कि आपने अश्व-शास्त्र का अध्ययन भी किया है।' कुछ ही देर में जब तेनालीराम के घर पहुंचे तो सुब्बा शास्त्री अपनी लंबी दाढ़ी को उंगलियों से सहलाते हुए अहंकार भरे स्वर में बोला, 'हाथ कंगन को आरसी क्या...! आखिर तुम्हें मेरी योग्यता पर विश्वास हो ही गया।'

'लेकिन शास्त्री जी, मेरा घोड़ा कोई साधारण घोड़ा नहीं है, इसलिए मेरा कहना मानें तो पहले खिड़की से झांक कर देख लें। इसके बाद अस्तबल की दीवार तोड़कर घोड़े को बाहर निकालने की सोचना!' अपने होठों पर कुटिल मुस्कान लाते हुए बोला तेनालीराम। तेनालीराम ने भी जैसे उस दिन सुब्बा शास्त्री से पुराना हिसाब-किताब चुकता करने की ठान ली थी। इधर जैसे ही सुब्बा शास्त्री ने दीवार में बनी खिड़की में अपना हाथ डाला, तुरंत घोड़े ने उसकी दाढ़ी पकड़ ली।

दरअसल, वह उसकी दाढ़ी को भूसे का ढेर समझ बैठा था। सुब्बा शास्त्री की दाढ़ी को अपने मुंह में दबाए घोड़ा इतनी जोर से खींच रहा था कि उसकी आंखों से आंसू टपकने लगे और वह दर्द के मारे जोर-जोर से चिल्लाने लगा। अंतत: अस्तबल की सभी दीवारें तोड़कर वह बाहर निकाला गया। मगर घोड़ा भी कुछ ऐसा हठीला था कि सुब्बा शास्त्री की दाढ़ी छोड़ नहीं रहा था। सुब्बा शास्त्री की समझ में आ चुका था कि पूर्व में जो वह तेनालीराम को नीचा दिखाने की फिराक में लगा रहता था, उसी का बदला तेनालीराम ले रहा है। वह तो बस मौके की तलाश में था, जो उसे आज मिल गया था।

इधर महाराज और अन्य घुड़सवार सैनिक बेसब्री से उनका इंतजार कर रहे थे। तभी तेनालीराम के साथ घोड़ा वहां आया। पर घोड़े ने सुब्बा शास्त्री की दाढ़ी मुंह में अभी भी दबा रखी थी। सुब्बा शास्त्री को इस स्थिति में देख सभी लोग हंसने लगे। महाराज भी अपनी हंसी पर काबू न कर सके और बेतहाशा हंसते ही चले गए। लोगों को इस प्रकार हंसते देख वहां मौजूद घोड़े भी हिनहिनाने लगे।

तेनालीराम का घोड़ा, जो सुब्बा शास्त्री की दाढ़ी मुंह में दबाए था, भी यह देख हिनहिनाने लगा। जैसे ही घोड़े ने अपना मुंह खोला, दाढ़ी मुक्त हो गई। सुब्बा शास्त्री ने चैन की सांस ली। तभी महाराज गंभीर हो गए और बोले, 'तेनालीराम! मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं कि लोगों को हंसाने के लिए हास-परिहास किया जाए। लेकिन ऐसा परिहास मुझे स्वीकार्य नहीं, जिसमें दूसरे को पीड़ा या कष्ट होता हो। तुमने सुब्बा शास्त्री जैसे विद्वान के साथ जो सुलूक किया है वह कतई शोभा नहीं देता। यह सरासर शास्त्री जी का अपमान है। मैंने तुम्हारे दिमाग में छिपी किसी खुराफात का अंदाजा उसी समय लगा लिया था, जब तुमने मुझसे घोड़ा मांगा था। वरना तुम्हें घोड़े से क्या लेना-देना। अपनी गलती के लिए शास्त्री जी से क्षमा-याचना करो।' लेकिन इससे पहले कि तेनालीराम क्षमा-याचना करता, सुब्बा शास्त्री आगे बढ़कर बोला, 'महाराज ! तेनालीराम का कोई दोष नहीं, यह निर्दोष है। दोषी यदि कोई है तो मैं हूं। मैं तो हमेशा तेनालीराम को नीचा दिखाने की फिराक में लगा रहता था और कई बार तो मैंने इसका अपमान भी किया। लेकिन ये चुपचाप सहन कर गया, एक शब्द तक मुंह से नहीं निकला कभी। आज जो कुछ भी हुआ, उससे मेरी आंखें खुल गई हैं।' अपनी बात समाप्त करते हुए सुब्बा शास्त्री ने आगे बढ़कर तेनालीराम को गले से लगा लिया।

पहेलियाँ

आदि कटे तो गीत सुनाऊं
मध्य कटे तो संत बन जाऊं
अंत कटे साथ बन जाता
संपूर्ण सबके मन भाता

•••••

सीधी होकर, नीर पिलाती
उलटी होकर दीन कहलाती।

•••••

हरी थी मन भरी थी
मोतियों से जड़ी थी
राजाजी के बाग में
दुशाला ओढ़े खड़ी थी

•••••

सीधी होकर वह बहती है
उल्टी होकर वाह-वाह कहती है।

•••••

सुबह-सुबह ही आता हूं,
दुनिया की खबर सुनाता हूं,
बिन मेरे उदास हो जाते,
सबका प्यारा रहता हूं।

उत्तर संगीत, नदी, भुट्टा, हवा, अखबार

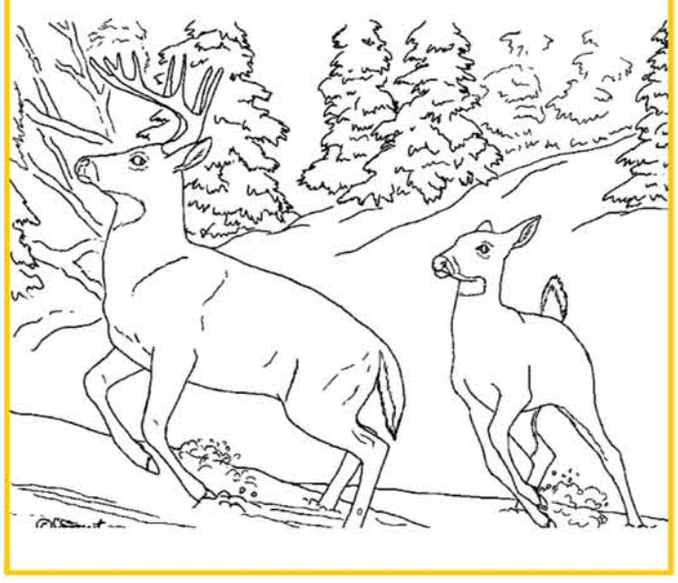

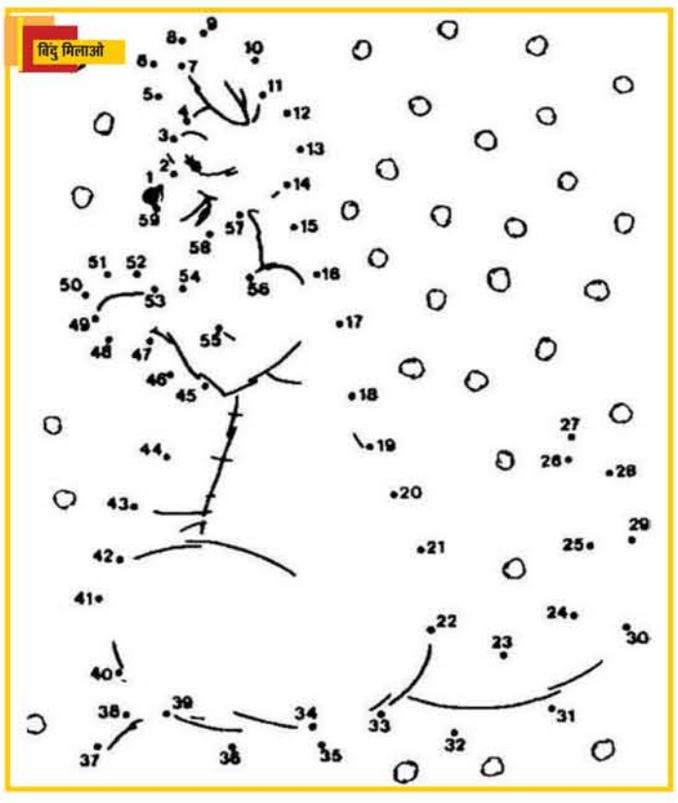

डूब रहा है मियामी

तूफान आया और न ही कोई पाइपलाइन फटी, फिर भी पर्यटकों से हमेशा खचाखच भरा रहने वाले मियामी तट के करीब आल्टन रोड जलमग्न हो रहा है। दुकानदार गटरों से बाहर निकल रहे पानी को अपनी दुकानों में घुसने से रोकने के लिए रेत की बोरियां रख रहे हैं। जलमग्न हो जाने पर लोगों को जूते हाथों में लेकर यहां से गुजरना पड़ता है। दरअसल, अंध महासागर से कुछ ही फर्लांग दूर स्थित इस सड़क को 'जीरो ग्राऊंड' भी कहा जाता है क्योंकि मियामी के साथ लगते समुद्र का जलस्तर बढ़ने की वजह से यह अक्सर जलमग्न रहने लगी है। वास्तव में अमेरिकी राज्य लोरिडा के समुद्र के साथ लगते अधिकतर इलाके अब अंध महासागर के बढ़ते जलस्तर से पैदा होने वाले खतरों से दो-चार होने लगे हैं। आल्टन रोड समुद्र के स्तर से बमुश्किल 85 सैंटीमीटर ऊंचा है। ऐसे में इसे जलमग्न होने से बचाने के लिए अरबों रुपए की लागत से पपिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं।

इसका उद्देश्य उस समस्या से मियामी के लोगों को बचाना है जिसका सामना दक्षिणी लोरिडा के अधिकतर इलाके कर रहे हैं। पर्यटकों में खासे लोकप्रिय रहे समुद्र के साथ लगते लोरिडा के दलदली इलाके अब जलवायु परिवर्तन का परिणाम भुगतने लगे हैं। अमेरिकी सेना की इंजीनियर कोर के मुताबिक मियामी के आसपास समुद्र का स्तर वर्ष 2060 तक 24 इंच (60 सेंटीमीटर) तक बढ़ सकता है। यह आकलन बेहद चिंताजनक है, खासकर मियामी जैसे शहरों के लिए जो समुद्र के स्तर से केवल 4.4 फुट यानी 1.3 मीटर ही ऊंचे हैं। सूर्य स्नान तथा तटों से लगाव रखने वालों का स्वर्ग रहे मियामी के लोग बाढ़, ज्वारभाटों, भूमिगत जलस्तर के बढ़ने जैसी समस्याओं से अच्छी तरह वाकिफ हैं। वैज्ञानिकों की चेतावनी है कि तूफान, चक्रवात तथा बाढ़ जैसी गंभीर कुदरती आपदाओं की संख्या में भविष्य में इजाफा ही होगा। आल्टन रोड के साथ पपिंग स्टेशन स्थापित करने का चल रहा काम उन अनेक कोशिशों में से एक है जिन्हें समुद्र के बढ़ते जलस्तर से बचने के लिए उठाया जा रहा है।

पानी से अपने शहरों की सुरक्षा में दक्ष नीदरलैंड्स की सहायता से मियामी तट पर बने तटबंधों में भी सुधार किया जा रहा है। ग्रेटर मियामी के 40 किलोमीटर से लंबे तट भी खतरे में हैं जो धीरे-धीरे समुद्र में समाते जा रहे हैं क्योंकि वे चक्रवाती तूफानों के ठीक रास्ते में पड़ते हैं। तट की रक्षा के लिए बिछाए रेत के बांध भी बहते जा रहे हैं। इसका असर पर्यटन पर भी हो सकता है। गत वर्ष मियामी तट पर 1 करोड़ 42 लाख लोग पहुंचे। ये वे हैं जिन्होंने कम से कम एक रात वहां बिताई और इनसे शहर को 22.8 बिलियन डॉलर की मोटी कमाई हुई। मियामी आने वाले 45 प्रतिशत पर्यटक समुद्र तट, तट के रेस्तरांओं तथा तट की नाइटलाइफ का मजा लेना पसंद करते हैं। कई कारक आपस में जुड़ कर मियामी में एक कुचक्र का निर्माण कर रहे हैं- समुद्र का जलस्तर बढ़ने से चक्रवात का खतरा भी बढ़ रहा है। आने वाले समय में पर्यटकों के इस स्वर्ग को बचाने के लिए प्रशासन को बहुत प्रयास तथा भारी खर्च करने होंगे।

फैंस के लिए बड़ा सरप्राइज लेकर आई

परिणीति चोपड़ा

संगीत यात्रा पर निकलने की घोषणा की

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने घोषणा की कि वह आधिकारिक तौर पर एक गायिका के रूप में संगीत क्षेत्र में कदम रख रही हैं। शास्त्रीय संगीत की पृष्ठभूमि रखने वाली चोपड़ा ने एंटरटेनमेंट कंसल्टेंट एलएलपी के साथ एक करार किया है, जो मनोरंजन जगत में एक प्रसिद्ध नाम है।

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह आधिकारिक तौर पर एक गायिका के रूप में संगीत क्षेत्र में कदम रख रही हैं। शास्त्रीय संगीत की पृष्ठभूमि रखने वाली चोपड़ा ने एंटरटेनमेंट कंसल्टेंट एलएलपी के साथ एक करार किया है, जो मनोरंजन जगत में एक प्रसिद्ध नाम है। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा 'संगीत, मेरे लिए, हमेशा खुशी की जगह रही है। मैंने दुनिया भर के अनगिनत संगीतकारों को मंच पर कार्यक्रम पेश करते देखा है और अब आखिरकार उस दुनिया का हिस्सा बनने का समय आ गया है।''

उन्होंने कहा, ''मैं अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू करने को लेकर बहुत भाग्यशाली, धन्य महसूस करती हूं और मैं बता नहीं सकती कि इस संगीत यात्रा को शुरू करने के लिए मैं कितना उत्साहित हूं।'' उन्होंने कहा कि यह यात्रा मुझे एक साथ दो क्षेत्रों में करियर बनाने का अवसर देती है। परिणीति चोपड़ा संगीत की दुनिया में पूरी तरह से नयी नहीं हैं क्योंकि उन्होंने 2017 की अपनी फिल्म मेरी प्यारी बिंदु के लिए माना के हम यार नहीं गाना गाया था।

फिलिप जॉन की भारतीय-ब्रिटिश फिल्म 'चेन्नई स्टोरी' में अभिनय करेंगी श्रुति हासन

अभिनेत्री श्रुति हासन भारतीय-ब्रिटिश फिल्म 'चेन्नई स्टोरी' में काम करेंगी। इस फिल्म का निर्देशन बाफ्टा पुरस्कार से सम्मानित फिल्मकार फिलिप जॉन करेंगे। यह फिल्म गुरु फिल्म्स (भारत), रिपल वर्ल्ड पिक्चर्स (ब्रिटेन) और आई आई प्रोडक्शन्स (वेल्स) द्वारा संयुक्त रूप से बनाई जा रही है और लेखक टिमरी एन मुरारी की लोकप्रिय किताब 'द अरेंजमेंट्स ऑफ लव' पर आधारित है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह तमिल और वेल्श के साथ मिश्रित एक अंग्रेजी फिल्म है, जो प्रेम, आत्म-अभिव्यक्ति और स्वीकृति के विषयों की खोज करती है। विज्ञप्ति के मुताबिक, वेल्स और भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म रोमांटिक कॉमेडी है और श्रुति हासन इसमें एक साहसी निजी जासूस अनु की भूमिका निभाएंगी। अभिनेत्री ने कहा, चेन्नई निवासी होने की वजह से चेन्नई की विविधता और विशिष्टता को दर्शाने वाली एक कहानी मेरे लिए बहुत खास है। फिलिप के साथ काम करना कुछ ऐसा है जिसे अनुभव करने के लिए मैं बहुत उत्साहित हूं।

सना रईस खान, ईशा मालविया और आयशा खान के साथ पार्टी करना विक्की जैन को पड़ा भारी

अंकिता लोखंडे के चाहने वालों ने लगा दी तगड़ी क्लास

अभिनेत्री पूर्वा राणा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पार्टी के अंदर की दो तस्वीर साझा की हैं। पहली तस्वीरों में, पूर्वा विक्की के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में, विक्की बिग बॉस के एक्स प्रतियोगियों सना रईस खान, ईशा मालविया और आयशा खान के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं।

टीवी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन बिग बॉस 17 के घर से निकलने के बाद भी सुर्खियों में बने हुए हैं। दरअसल, बीते दिन विक्की की बिग बॉस के पूर्व प्रतियोगियों के साथ पार्टी करते सामने आयी, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनके चर्चे शुरू हो गए। बता दें, एविक्शन के बाद घर से निकलने से पहले अंकिता ने विक्की को बाहर जाकर पार्टी नहीं करने की सलाह दी थी। बावजूद इसके उन्होंने बिग बॉस से निकलते ही पार्टी की। विक्की की ये हरकत सोशल मीडिया यूजर्स को पसंद नहीं आयी, जिसके बाद उन्होंने एक्स बिग बॉस प्रतियोगी को ट्रोल करना शुरू कर दिया।

अभिनेत्री पूर्वा राणा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पार्टी के अंदर की दो तस्वीर साझा की हैं। पहली तस्वीरों में, पूर्वा विक्की के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में, विक्की बिग बॉस के एक्स प्रतियोगियों सना रईस खान, ईशा मालविया और आयशा खान के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने इन तस्वीरों को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'शहर में बिग बॉस का जलवा विक्की जैन। हमारी विजेता अंकिता लोखंडे का इंतजार है। आप दोनों खास हैं और प्यारे हैं। आप लोगों से मिलकर अच्छा लगा।' अभिनेत्री पूर्वा राणा के तस्वीर शेयर करते ही लोगों ने विक्की जैन को ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, 'दुश्मन मिले हजार, लेकिन विक्की जैसा पति ना मिलें।' एक अन्य ने अंकिता का जिक्र करते हुए लिखा, 'वही हुआ जिसका अंकिता को डर था।' एक यूजर ने कमेंट किया, 'इनकी मम्मी को लगता है मेरे बेटे ने कुछ नहीं किया।' बता दें, अंकिता ने 2019 में विक्की जैन से शादी की थी।

सिल्क साड़ियों में इन अभिनेत्रियों ने बिखेरा जलवा

साड़ियों में अगर सिल्क साड़ी की बात की जाए, तो यह कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होती है। बॉलीवुड की हसीनाओं ने इस साल बड़े इवेंट्स में भी सिल्क की साड़ी पहनकर जलवा दिखाया। ऐसे में आप भी इनके कलेक्शन से टिप्स लेकर सिल्क साड़ी ले सकती हैं।

साड़ी एक ऐसा आउटफिट है, जिसको भारतीय महिलाएं पहनना काफी पसंद करती हैं। अगर किसी फंक्शन में जाने के लिए यह समझ नहीं आता है कि क्या पहनें, तो साड़ी एक बेहतरीन ऑप्शन है। फिर चाहे शादी-विवाह अटैंड करना हो या फिर ऑफिस की पार्टी हो, महिलाएं साड़ी पहनकर हर जगह जलवा बिखेर सकती हैं। वहीं अगर इस साल के फैशन ट्रेंड की बात करें, तो भले ही वक्त के साथ फैशन बदलता रहता है, लेकिन महिलाओं का साड़ी के प्रति प्यार कभी कम नहीं होता है।

साड़ियों में अगर सिल्क साड़ी की बात की जाए, तो यह कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होती है। बॉलीवुड की हसीनाओं ने इस साल बड़े इवेंट्स में भी सिल्क की साड़ी पहनकर जलवा दिखाया। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिल्क साड़ी के लेटेस्ट कलेक्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी इन बॉलीवुड हसीनाओं के कलेक्शन से टिप्स ले सकती हैं।

रेखा

वैसे तो रेखा को एवरग्रीन एक्ट्रेस कहा जाता है। वह हर इवेंट में कांजीवरम या फिर सिल्क की साड़ी पहनकर पहुंचती है। बता दें कि साल 2024 की शुरूआत में ही रेखा हरे रंग की बेहद ही खूबसूरत सिल्क की साड़ी एक इवेंट में पहनकर पहुंची थीं। जिसमें वह काफी ज्यादा खूबसूरत लग रही थीं।

शिल्पा शेट्टी

अपने ग्लैमरस लुक और सेक्सी फिगर के चलते शिल्पा शेट्टी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। एक इवेंट में शिल्पा शेट्टी ने पीले रंग की साड़ी के साथ बैकलेस ब्लाउज कैरी किया था। इसके अलावा भी उन्होंने कई इवेंट्स में सिल्क की साड़ी पहनकर अपना जलवा बिखेरा।

माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित अक्सर साड़ी पहनकर हर इवेंट्स में दिखाई देती हैं। एक इवेंट में वह स्काई डबल शेड की साड़ी में बला की खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपने लुक को गोल्ड ज्वेलरी के साथ कंप्लीट किया था।

कंगना रनौत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ऑरेंज रंग की सिल्क की साड़ी में बेहद खूबसूरत दिख रहीं हैं। इस लुक में एक्ट्रेस ने अपने बालों में स्लीक स्टाइल का जूड़ा बनाया था। इसके साथ उन्होंने गले में हैवी चोकर पहना है। कंगना रनौत ने बालों में गजरा लगा रखा है, जो उनके लुक में चार चांद लगाने का काम कर रहा है।

विद्या बालन

एक्ट्रेस विद्या बालन लाल रंग की सिल्क साड़ी में बेहद गॉर्जियस नजर आ रही हैं। विद्या अक्सर इवेंट्स में सिल्क साड़ी में नजर आती हैं। नई दुल्हनों के लिए इस तरह की साड़ी काफी अच्छी लगती है।

'लव एंड वॉर' में नजर आएंगे 'विक्की कौशल'

अभिनेता के पिता ने कुछ इस तरह जाहिर की खुशी

शाम कौशल ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि विक्की अभिनेता बनेंगे और उन्हें संजय लीला भंसाली के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मैं केवल संजय का आभारी हूं। बाकी, भगवान सब कुछ करते हैं।' बता दें, विक्की के पिता शाम संजय लीला भंसाली के साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर चुके हैं।

संजय लीला भंसाली ने बीते दिन आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ एक नयी फिल्म 'लव एंड वॉर' बनाने की घोषणा की थी। फिल्म निर्माता की इस घोषणा ने कल से सोशल मीडिया और बॉलीवुड इंडस्ट्री में हलचल मचा रखी है। सोशल मीडिया पर जमकर इस फिल्म की चर्चा हो रही है। इन सब के अभिनेता विक्की कौशल के पिता शाम कौशल ने अपने बेटे के भंसाली के साथ काम करने पर खुशी जाहिर की है।

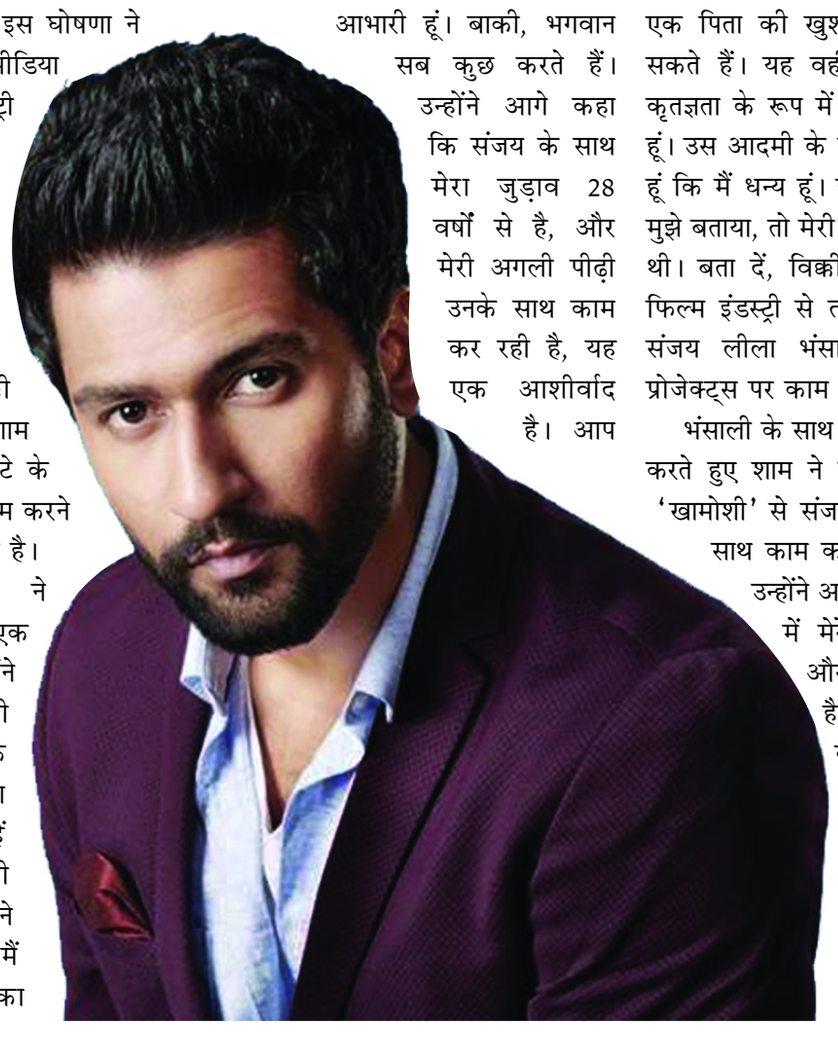

शाम कौशल ने ईटाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि विक्की अभिनेता बनेंगे और उन्हें संजय लीला भंसाली के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मैं केवल संजय का आभारी हूं। बाकी, भगवान सब कुछ करते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि संजय के साथ मेरा जुड़ाव 28 वर्षों से है, और मेरी अगली पीढ़ी उनके साथ काम कर रही है, यह एक आशीर्वाद है। आप एक पिता की खुशी की कल्पना कर सकते हैं। यह वही है जो मैं अपनी कृतज्ञता के रूप में व्यक्त करना चाहता हूं। उस आदमी के लिए, मैं कह सकता हूं कि मैं धन्य हूं। जब विक्की ने आकर मुझे बताया, तो मेरी खुशी कल्पना से परे थी। बता दें, विक्की के पिता शाम भी फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते हैं और संजय लीला भंसाली के साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर चुके हैं।

भंसाली के साथ अपने सफर को याद करते हुए शाम ने कहा, मैंने 1996 में 'खामोशी' से संजय लीला भंसाली के साथ काम करना शुरू किया था। उन्होंने अपनी सभी 10 फिल्मों में मेरे साथ काम किया और यह उनका बड़प्पन है कि उन्होंने मुझे बार-बार अपने प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनाया। अगर मैं पीछे मुड़कर देखूं तो यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी कमाई में से एक है।

जनसेवा होनी चाहिए प्राथमिकता : जिलाधिकारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय पर्व जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिलाधकारी मनीष कुमार वर्मा ने सर्वप्रथम कैम्प कार्यालय नोएडा के प्रांगण में झंडारोहण कर स्कूली बच्चों को उपहार वितरित किये। इसके बाद जिला अधिकारी ने कलेक्ट्रेट प्रांगण पहुंचकर झंडारोहण किया। इस अवसर पर जिला अधिकारी ने भारत के गणतंत्र का संकल्प सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाया।

डीएम ने इस अवसर पर कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। आज ही के दिन 1950 में भारत का संविधान लागू हुआ। भारत का संविधान विश्व प्रसिद्ध है और यह हम सभी भारतीयों एक सूत्र में जोड़ता है। आज के दिन हमें संकल्पित होकर अपने दायित्वों का निष्ठा के साथ निर्वहन करने की शपथ लेनी चाहिए और सभी कर्तव्यों को संविधान के अनुसार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्राथमिक उद्देश्य जन सेवा होना चाहिये और शासन की कल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं को पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का काम करें। हमें शहीदों की कुर्बानियों को भूलना नही चाहिये, उनके बलिदान को हमेशा याद रखे। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जो विजन है भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने का, उसमें हम सब को सहयोग करना चाहिए ।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ नितिन मदान, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी एल ए वलराम सिंह, डिप्टी कलेक्टर भैरपाल सिंह, डिप्टी रजिस्टार, फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स मेरठ अशोक कुमार, जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार ने भारत के संविधान पर अपने विचार रखे।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर चारूल यादव, विवेकानन्द मिश्रा, वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी पवन मंगल, जिला मनोरंजन कर अधिकारी जे.पी.चंद, अन्य अधिकारी एवं कलेक्ट्रेट परिसर के कर्मचारी उपस्थित रहे।

देश के विकास में शिक्षण संस्थान अहम : डॉ. अशोक चौहान

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय में 75वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला और एमिटी ग्रुप वाइस चांसलर डा गुरिंदर सिंह द्वारा ध्वज फहराया गया। कार्यक्रम के अंर्तगत एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा अशोक कुमार चौहान ने छात्रो, शिक्षकों आदि को ऑनलाइन संबोधित किया गया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन भी किया गया।

एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष व प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. अशोक कुमार चौहान ने अपने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि किसी भी देश का विकास और उत्थान युवाओं के सहयोग के बिना संभव नहीं है और आजादी सहित संविधान के लागू होने से अब तक हर स्तर पर देश के विकास में शिक्षण संस्थानों ने अहम भूमिका निभाई है। डा चौहान ने कहा कि एमिटी में हम छात्रों को देश के लिए कुछ करने और अपनी उर्जा को देश और समाज के कल्याण में उपयोग करने के लिए प्रेरित करते हैं।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने इस अवसर पर कहा कि आज एमिटी के लिए गर्व भरा दिन है जब एमिटी शिक्षण समूह के एमिटी स्कूल की छात्रा सुहानी चौहान को कर्तव्यपथ पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हमारा उददेश्य है कि एमिटी का हर छात्र सफलता की कहानी हो और अपने कार्यो द्वारा राष्ट्र निर्माण में सहभागी बने। इस अवसर पर छात्रों द्वारा सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें छात्रों ने राम भजन और देशभक्ती गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किये।

एनईए भवन में महिलाओं ने फहराया ध्वज

नोएडा (चेतना मंच)। नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन

द्वारा 75वाँ गणतन्त्र दिवस बड़ी धूम-धाम से मनाया गया।

इस अवसर पर प्रोफेसर डा0 अंकिता राज एंव महिला उद्यमियों ने एनईए की पूरी टीम के साथ ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये।

इस अवसर पर एन.ई.ए. के अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने कहा कि देश के प्रति प्रेम, सदभाव, सम्मान एंव सेवाभाव के साथ हम सभी धर्मो को मानने वाले लोग गणतन्त्र दिवस को एक पर्व के रूप में मनाते हैं। इससे बडा त्यौहार हमारे देश के लिए कोई और नही है। प्रोफेसर डा0 अंकिता राज ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने पर प्रशस्ति-पत्र देकर बच्चों को प्रोत्साहित किया ।

इस अवसर पर एनईए के महासचिव वी0के0सेठ, वरि.उपाध्यक्ष धर्मवीर शर्मा, राकेश कोहली, मुकेश कक्कड, कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन, उपाध्यक्ष मोहन सिह, सुधीर श्रीवास्तव, राजेन्द्र मोहन जिंदल, सहकोषाध्यक्ष संदीप विरमानी, सचिव कमल कुमार, राहुल नैयर, राजन खुराना, पवन जैन, मयंक गुप्ता, सह.सचिव जी0के0 बंसल, पियुष मंगला, अजय अग्रवाल, कुलवीर विर्क, अनिल ढिंगरा, ओम प्रकाश, डी0के0इग्ले, महावीर जैन एंव महिला उद्यमी श्रीमती अनू मल्हन, सुश्री नीरू शर्मा, श्रीमती प्रतिभा खट्टर सहित काफी संख्या में उद्यमी मौजूद थे।

आत्मनिर्भर और सशक्त भारत का लें संकल्प : बर्नी

नोएडा (चेतना मंच)। गणतंत्र दिवस के मौके पर डेफ

ऐसोसिएशन ऑफ नोएडा ने सेक्टर-14ए पार्क में गणतत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सपा के वरिष्ठ नेता कुँवर बिलाल बर्नी ने ध्वजा रोहण किया। कुँवर बिलाल बर्नी ने उपस्थित सैकड़ों लोगों सम्बोधित करते हुए कहा कि हम राष्ट्रीय एकता, अखंडता और गौरव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के साथ आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के संकल्प को साकार करने में भागीदार बनें।

इस अवसर पर वकील अहमद, गुलशन राय,सतवीर सिंह, सरदार सुरेंदर सिंह, सरदार सर्वजीत सिंह, सरदार राजेश सिंह, अमित कश्यप, बदन प्रसाद यादव, अंशु कुमार कुश्वाह, असलम, पूजा साहु, रागनी रावत, शालिनी बंसल, संजय बंसल समेत सैकडों लोग मौजूद रहे।

जिम्स ग्रुप ने मनाया गणतंत्र दिवस : देश के 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिम्स ग्रुप के ग्रेटर नोएडा वेस्ट के कैंपस दिल्ली

इंस्टिट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन में विभिन्न कोर्सेज के विभागाध्यक्षों के द्वारा ध्वजारोहण कर के कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

इस मौक़े पर पीजीडीएम, बीबीए, बीसीए, बीकॉम और पत्रकारिता के विद्यार्थियों और अध्यापकों ने देश भक्ति से जुड़े अपने गीतों और कविताओं से माहौल को जोश और देश भक्ति की भावनाओं से भर दिया। इस दौरान इंस्टिट्यूट के मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष डॉ सुमित अग्रवाल ने पीजीडीएम विभाग की प्रशंसा की। विभागाध्यक्ष डॉ वंदना गुप्ता ने अपने प्रेरणादायक शब्दों से विद्यार्थियों के मनोबल बढ़ाया।

जीबीयू में गणतंत्र का जश्न : ग्रेटर नोएडा स्थित गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस को बड़े हर्षोल्लास के साथ शिक्षकों, छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों, एवं सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स (गर्ल्स) ने मार्च पास्ट किया और साथ ही विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मियों ने भी परेड की। जीबीयू के कुलपति प्रो आर के सिन्हा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी, शिक्षकगण, कर्मचारी और छात्र-छात्राओं के उपस्थिति में फहराया।

प्रो सिन्हा ने इस अवसर पर विगत वर्ष हुई विभिन्न कार्यों में मिली उपलब्धियों का हासिल करने में सभी के सहयोग की प्रशंसाकी। कुछ विशेष उपलब्धियों को विशेष रूप से चर्चा की। ध्वजारोहण के बाद, विश्वविद्यालय में क्रॉस-कन्ट्री रेस आयोजित की गई जिसमें शिक्षक, कर्मचारियों और छात्रों ने हिस्सा लिया।

बच्चों ने फहराया झंडा

नोएडा। सेक्टर-105 के पास स्थित श्री कल्याण सुंदरम शिव मंदिर के सामने गरीब बच्चों ने इस बार गणतंत्र दिवस का ध्वज फहराया।

दरअसल आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गणतंत्र दिवस को कुछ अलग अंदाज में मनाने का प्रण लिया था।

आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव राकेश अवाना ने बताया कि बच्चों से झंडावंदन कराना अलग ही अनुभव था। बच्चों को देश के बारे में, गणतंत्र के बारे में, शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों को भोजन करवाया गया। उनकी पसंद की मिठाइयां बांटी गई। इस दौरान दिनेश सिंह, विजय शर्मा, पंकज शर्मा, धीरज सोलंकी, अमित ,आदि कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

ग्राम चौड़ा रघुनाथपुर स्थित गांधी स्मारक विद्यालय में 75वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विंग कमांडर देवेंद्र सिंह व प्रधानाचार्य हेमेंद्र सिंह ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य हरपाल सिंह ने की। इस मौके पर एडवोकेट सुभाष चौहान सहित विद्यालय के अध्यापक, छात्र-छात्राएं व अन्य लोग मौजूद थे।

गणतंत्र के जश्न में डूबा नोएडा,'विकसित भारत' बनाने का लिया संकल्प

नोएडा (चेतना मंच)। 75वें गणतंत्र दिवस का उत्सव नोएडा शहर में धूमधाम से मनाया गया। यहां के आवासीय सेक्टरों के अलावा, स्कूलों व औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही प्रशासनिक भवनों में भी गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प नोएडावासियों ने लिया। नोएडा की विभिन्न सेक्टरों की आरडब्ल्यूए ने गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम किए तथा सेक्टरवासियों को बधाई दी। इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

सेक्टर-34 : कम्युनिटी सेंटर सेक्टर-34 में आरडब्ल्यूए फेडरेशन के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय पर्व गणतन्त्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। अध्यक्ष के.के. जैन द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर मिष्ठान वितरण किया गया।

इस अवसर पर फेडरेशन ऑफ सेक्टर-34 के महासचिव धर्मेंद्र शर्मा, प्रदीप सिंह,देवेंद्र कुमार, कर्नल महापात्रा, राजेश कुमार राय, कुलदीप मुंशी, संजीव कुमार, आर सी शर्मा, मनोज पांडे तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सेक्टर-41 : आरडब्लूए सेक्टर-41 के कम्युनिटी सेंटर मे गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। आरडब्लूए अध्यक्ष अनिल खन्ना द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर्स लिया गया। इसके बाद ध्वजारोहण किया गया।

इस मौके पर आरडब्लूए के जॉइन्ट सेक्रेटरी एएस पाल, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा, सेक्टर से अशोक कुमार अग्रवाल, बीबी अग्रवाल, मीनाक्षी राणा, आरपी पाण्डेय आरडब्लूए स्टॉफ के अलावा अन्य सेक्टरवासिओ ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

सैक्टर-53 : 75वें गणतंत्र दिवस पर सैक्टर-53 नोएडा में कम्यूनिटी सेंटर में झण्डा रोहण किया गया। इस दौरान सेक्टरवासियों ने एकदूसरे को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। अनिल कुमार आरडब्लूए अध्यक्ष ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह पर बड़ी संख्या में सेक्टरवासी कम्युनिटी सेंटर में एकत्र हुए तथा भारतीय एकता, अखंडता और संप्रभुता बनाये रखने की शपथ ली।

सैक्टर-19 : 75वें गणतंत्र दिवस पर सैक्टर-19 आरडब्लूए ने राष्ट्रीय झंडा फहरा कर वरिष्ठ नागरिक के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। आरडब्लूए अध्यक्ष आर सी गुप्ता ने झंडा फहराया तथा महासचिव लक्ष्मी नारायण ने आरडब्लूए द्वारा किए गए सैक्टर के विकास व निवासियों के कल्याण के कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन ज्वाइंट सेक्रेटरी विरेन्द्र गुप्ता ने किया। कार्यक्रम के अंत में कोषाध्यक्ष राम कुमार शर्मा ने सभी का धन्यवाद किया।

कार्यक्रम में मेट्रो अस्पताल के वरिष्ठ ह्रदयरोग विशेषज्ञ डॉ. मुमुक्षू आर्य ने ह्रदय रोगों व उनसे बचाव के बारे निवासियों को जानकारी दी। इस मौके पर आरडब्ल्यूए के राज कुमार चौहान, समीर सूर, एन.सी. वरुण, एम.एल. प्रताप, श्रीमती सविता मेहता, हरजीत मनचंदा, एम एस दहिया आदि मौजूद रहे।

फोनरवा सेक्टर- 52 : 75वें गणतंत्र दिवस फोनरवा के कार्यालय सेक्टर-52 में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा ने ध्वजारोहण किया। फोनरवा सदस्यों ने पूरे जोश के साथ हिंदुस्तान जिंदाबाद, सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा,बंदे मातरम के नारे बुलंद किये। इस अवसर पर फोनरवा के महासचिव के.के. जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय भाटी, अशोक कुमार मिश्रा, सुशील यादव, देवेंद्र सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष पवन यादव, प्रदीप वोहरा, लाटसाहब लोहिया, सुखबीर सिंह, ह्रदेश कुमार गुप्ता, देवेंद्र कुमार, राजेश सिंह, सुशील कुमार शर्मा, भूषण शर्मा यादव, जयपाल सिंह, जी. सी.शर्मा, प्रदीप मिश्रा, सुभाष भाटी, टी.सी गौड़ तथा बड़ी संख्या में अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे ।

शराब छुड़ाए बिना बताए
अफीम, चरस, स्मैक की आदत छुड़ायें
नशा मुक्ति केन्द्र
नोएडा
नया बाँस, सैक्टर-15, नरूला होटल के सामने,
कार पार्किंग के पिछले कोने के पास
रोजाना 1 से 4 बजे तक (मंगलवार बन्द)
फरीदाबाद
सैक्टर-15ए पटेल भवन निकट (बीकानेर मिष्ठान भण्डार)
(सिर्फ हर मंगलवार) समय 10 बजे से शाम 6 बजे तक
मो०-9818250344

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™
ISO 9001:2008
PROPERTIES AVAILABLE FOR SALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US : +919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1
Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308